

मनेन्द्रगढ़

28 जुलाई 2026

मंगलवार



दैनिक मीडिया ऑडिटर

दैनिक

मीडिया ऑडिटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

: त्रीफ बॉक्स :

पीएम पर आपत्तिजनक पोस्ट पर दिल्ली पुलिस का एक्शन

पोस्ट, वीडियो और कमेंट्स हटाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस को भेजे जाएंगे नोटिस



नई दिल्ली, एजेंसी। जंतर-मंतर पर सीजेपी प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य नेताओं के खिलाफ सोशल मीडिया पर की गई आपत्तिजनक और अपभ्रष्ट टिप्पणियों पर दिल्ली पुलिस कार्रवाई की तैयारी कर रही है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस को नोटिस जारी कर सकती है। इन नोटिस के जरिए पुलिस आपत्तिजनक पोस्ट, वीडियो और कमेंट्स को हटाने की मांग करेगी। पुलिस का कहना है कि प्रदर्शन के दौरान और उसके बाद अपलोड किए गए कंटेंट की समीक्षा की जा रही है। समीक्षा के बाद अपभ्रष्ट प्रकृति वाली पोस्ट को हटाने के लिए संबंधित प्लेटफॉर्मस को नोटिस भेजे जाएंगे।

**कंटेंट की पहचान करने का काम जारी:** पुलिस सूत्रों ने बताया कि अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस पर इस तरह के कंटेंट की पहचान करने की प्रक्रिया पहले से ही चल रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है

नीट पर लगे प्रतिबंध, प्रदर्शन में हुई हिंसा की हो जांच: डीएमके



नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की डीएमके ने देश भर में होने वाली मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट पर तुरंत रोक लगाने की मांग की है। डीएमके सांसद टीआर बालू ने सोमवार को लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया, जिसमें मौजूदा मानसून सत्र के दौरान नीट पर रोक लगाने की मांग की गई। यह मांग मई में हुए नीट यूजी पेपर लीक के बाद उठी है, जिससे देश भर में गुस्सा फैल गया था और छात्रों ने एक महीने से ज्यादा समय तक विरोध प्रदर्शन किया था। आखिरकार इसके चलते केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा।

**जंतर मंतर हिंसा की जांच की भी मांग:** इसके साथ ही डीएमके ने नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ कथित तौर पर जानलेवा हथियारों के अंधाधुंध इस्तेमाल की जांच की भी मांग की। प्रधान के इस्तीफे वाले दिन ही पीएम मोदी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार ने प्रह्लाद जोशी को नया केंद्रीय शिक्षा मंत्री नियुक्त किया है।



नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में सोमवार को लोक परीक्षा संशोधन बिल पेश किया गया। हालांकि विपक्ष के हंगामे की वजह से पहले दिन चर्चा नहीं हो पाई। विपक्ष छात्रों पर नीट पेपर लीक के विरोध प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज के मामले पर बहस के लिए अड़ा रहा। कांग्रेस का कहना है कि इस मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह सदन में आकर बयान दें। इस वजह से लोकसभा की कार्यवाही दिन में 4 बार स्थगित हुई।

जब भी कार्यवाही शुरू हुई, कांग्रेस सभा के सांसद वेल में बैन लेकर पहुंच जाते और नारेबाजी करने लगते। स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि बिल पर चर्चा के लिए सरकार और विपक्षी सांसद सहमति बनाकर आएँ। इसके बाद बिरला ने कांग्रेस सांसद के.सी. वेणुगोपाल और सभा सांसद अखिलेश यादव से मुलाकात की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मंगलवार दोपहर 12 बजे चर्चा शुरू हो

लोकसभा में परीक्षा संशोधन बिल पेश

विपक्ष छात्रों की पिटाई मामले पर बहस के लिए अड़ा, हंगामे की वजह से 4 बार स्थगित

सकती है। इससे पहले सुबह दोपहर 11 बजे केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सदन में पेपर लीक से जुड़ा लोक परीक्षा संशोधन बिल पेश किया था।

**धर्मेंद्र प्रधान संसद पहुंचे, एनडीए सांसदों ने स्वागत किया**

पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफे के बाद सोमवार को पहली बाहर संसद पहुंचे। एनडीए सांसदों ने उन्हें शॉल और मिथिला पाग पहनाकर सम्मानित किया और संसद भवन के अंदर तक ले गए।

सांसदों ने 'धर्मेंद्र प्रधान ज़िंदाबाद' के नारे भी लगाए। प्रधान ने नीट पेपर लीक विवाद के बीच 25 जुलाई को इस्तीफा दिया था।

**खड़गे बोले- अमित शाह सदन में आकर बयान दें**

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बोले, 'हम चर्चा से डरने वाले नहीं हैं। मैं चाहता हूँ कि अमित शाह को सदन में आना चाहिए और बताना चाहिए लाठीचार्ज क्यों करवाया।'

**कार्यवाही मंगलवार सुबह तक के लिए स्थगित**

किरेन रिजजू बोले- कांग्रेस और उसके साथी जानबूझकर चर्चा नहीं होने दे रहे हैं। इतना महत्वपूर्ण बिल है, इस पर चर्चा होनी चाहिए। ऐसा काम मत कीजिए, आपकी इमेज बहुत गिर चुकी है। बदनाम होने वाला काम मत कीजिए। चर्चा में हिस्सा लेना चाहिए। स्पीकर चेयर पर बैठे कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने कहा, 'आप चर्चा नहीं करना चाहते हैं। आप देश के युवा के भविष्य लिए चर्चा नहीं चाहते हैं। यदि आपको आज चर्चा नहीं करते हैं तो मैं सभा की कार्रवाई मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित करता हूँ।'

**रिजजू ने कहा- युवा विपक्ष की हरकत देख रहा**

राज्यसभा की कार्यवाही शाम को 5:15 बजे फिर शुरू हुई। किरेन रिजजू ने कहा, 'चर्चा के लिए टाइम दिया गया है। मंत्री बैठें हैं। बाहर बोलते हैं कि संसद में बोलने नहीं देते हैं। यहां हम हाथ जोड़-जोड़कर कहते हैं। बोलिए तो मान नहीं रहे हैं। ये बिल पर देश के लोग चर्चा सुनना चाहते हैं। मैं खड़गे जी से अनुरोध करता हूँ कि आप अपने सांसदों को समझाएं। आप लोग चर्चा नहीं करने दे रहे हैं मैं इस व्यवहार का खंडन करता हूँ।'

सुप्रीम कोर्ट बोला: प्रदर्शन पर पुलिस की बर्बरता सही नहीं

● आंदोलन एक संवैधानिक अधिकार, प्रोटोकॉल तय हो ● पुलिस से मातृपीठ भी चिंताजनक



नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना संवैधानिक अधिकार है, जिसे छिना नहीं जा सकता। केवल प्रदर्शन या आंदोलन होने के आधार पर पुलिस की बर्बरता या सख्ती को सही नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर पुलिस लाठीचार्ज से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह बात कही। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने साथ ही

महाराष्ट्र-गुजरात में दो नीट स्टूडेंट्स ने आत्महत्या की

**री-एग्जाम के बाद तनाव में थे, सुसाइड नोट में लिखा- डॉक्टर बनने का सपना अधूरा रह गया**

**सूरत, एजेंसी।** महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में 19 साल की मेडिकल छात्रा अंकिता सुरेश सांगले ने रविवार को आत्महत्या कर ली। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने लिखा है कि परीक्षा में उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिलने से वह मानसिक तनाव में थी और डॉक्टर बनने का उसका सपना अधूरा रह गया। वहीं, गुजरात के सूरत में 17 साल के NEET-UG के छात्र कहान पटेल ने आत्महत्या कर ली। परिजनों का कहना है कि वह परीक्षा से जुड़े तनाव और अनिश्चितताओं से परेशान था।

**पुलिस को सुसाइड नोट मिला:** पुलिस को अंकिता के कमरे से एक सुसाइड नोट भी मिला है। इसमें उसने लिखा कि री-एग्जाम में उसे 166 अंक मिले, जबकि कटऑफ 177 अंक था। उसके इस कदम के लिए उसके माता-पिता और भाई को जिम्मेदार न ठहराया जाए। परिजनों के मुताबिक, घटना के समय छात्रा अपने कमरे में पढ़ाई कर रही थी। काफी देर तक कमरे से कोई आवाज नहीं आने पर उसकी मां ने दरवाजा खोला, जहां वह मृत मिली। अंकिता ने रविवार को अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी।



राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

नई एसआईटी गठित, सीए भी होगा सदस्य

नई दिल्ली। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जयमाल्या बागची और वी. मोहना की बेंच की सामने यूपी सरकार ने इस मामले पर अपना पक्ष रखा।

राज्य सरकार की तरफ से पैरवी कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि मामले की निष्पक्ष तरीके से जांच के लिए एसआईटी का दोबारा गठन किया गया है।

**SC में क़सूरकार ने रखा पक्ष**

सुप्रीम कोर्ट के दिए गए निर्देशों को अपनाते हुए नई गठित एसआईटी में वरिष्ठ अधिकारियों को शामिल किया गया है। सॉलिसिटर जनरल ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के मुताबिक लखनऊ रेंज के पुलिस महानिरीक्षक किरण एस को जांच विभाग का प्रमुख बनाया गया है।

साथ ही तीन सदस्यीय एसआईटी में दो सीनियर आईपीएस अधिकारियों को शामिल किया गया है। इनमें अयोध्या रेंज के उप पुलिस महानिरीक्षक सोमेन बर्मा और अयोध्या के वरिष्ठ



पुलिस अधीक्षक गौरव ग़ोवर शामिल हैं।

**नई एसआईटी पर सुप्रीम कोर्ट का निर्देश**

इस नई गठित एसआईटी पर सुप्रीमेकोर्ट ने सुझाव दिया कि टीम में किसी चांटेड अकाउंटेंट को भी शामिल किया जाना चाहिए। इसपर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि जल्द ही ४ को भी शामिल किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से कहा कि वह एसआईटी में पांचवें सदस्य के तौर पर एक फॉरेंसिक ऑडिटर को भी शामिल करे। यह टीम दो हफ्ते के अंदर अपनी पहली स्टेटस रिपोर्ट सौंपेगी।

नितिन गडकरी मेटा और एक्स पर केस कर सकते हैं

एथेनॉल फ्यूल विवाद से जुड़े डीपफेक वीडियो के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट से मिली मंजूरी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी अब मेटा प्लेटफॉर्मस, एक्स और गूगल एनएलएस के खिलाफ सिविल सुट दायर कर सकते हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को गडकरी को एथेनॉल विवाद से जुड़ी एआई-जनरेटेड डीपफेक वीडियो और डिजिटल कंटेंट के खिलाफ कार्रवाई की अनुमति दे दी है। गडकरी ने अपनी याचिका में कहा है कि इन वीडियो में उन्हें एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (ईबीपी) प्रोग्राम और ई20 पहल से गलत तरीके से जोड़ा गया है।

**याचिका के मुताबिक,** ये दोनों प्रोजेक्ट पूरी तरह से केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के हैं और इनमें गडकरी की कोई भूमिका नहीं है।

**सरकारी मंत्रालयों की भी बनाया गया प्रतिवादी...** इस मामले में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा दूरसंचार मंत्रालय को भी प्रतिवादी बनाया गया है। गडकरी ने स्पष्ट किया है कि इस मुकदमे का उद्देश्य सार्वजनिक चर्चा या सरकारी नीतियों की आलोचना को रोकना नहीं है। याचिका में कहा गया है कि इसका मुकसद जनता को किसी भी सरकारी फैसले पर निष्पक्ष बहस या आलोचना से रोकना नहीं है।



**निजी लाभ के लिए पद के दुरुपयोग का आरोप:** गडकरी का तर्क है कि सोशल मीडिया पर मौजूद कंटेंट पूरी तरह से झूठा, मनगढ़ंत और दुष्भावनापूर्ण है। डिजिटल माध्यमों से अब मरीज पहले ही डॉक्टर, अस्पताल, इलाज की प्रक्रिया की जानकारी ले लेते हैं। इससे भरोसा बढ़ा है।

यह गलत धारणा फैलाई कि गडकरी और उनका परिवार ईबीपी और ई20 पहल से लाभ कमा रहा है। गडकरी ने कहा कि ये आरोप उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए लगाए गए हैं, ताकि यह दिखाया जा

सके कि उन्होंने निजी लाभ के लिए सार्वजनिक पद का दुरुपयोग किया है।

**कंटेंट हटाने की मांग:** मुकदमे में मांग की गई है कि प्रतिवादियों को इन मानहानिकारक और छेड़छाड़ किए गए कंटेंट को हटाने, डिसेबल करने और इनके प्रसार को रोकने का निर्देश दिया जाए। इससे पहले, भाजपा की नागपुर शहर सोशल मीडिया सेल के प्रमुख ने भी कई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और कंटेंट क्रिएटर्स के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। यह शिकायत एथेनॉल मिश्रित ईंधन विवाद को लेकर गडकरी को निशाना बनाने वाले पोस्ट के संबंध में की गई थी।



**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत अब सिर्फ सस्ते इलाज का ठिकाना नहीं, बल्कि मेडिकल टूरिज्म का बड़ा वैश्विक केंद्र बनने की ओर बढ़ रहा है। 2009 में जहां 1.12 लाख विदेशी मरीज इलाज के लिए भारत आए थे, वहीं 2025 में यह संख्या बढ़कर 5.07 लाख हो गई। यानी 16 साल में विदेशी मरीजों की संख्या करीब 4.5 गुना बढ़ी।

भारत बना मेडिकल टूरिज्म का हब

● 16 साल में विदेशी मरीज 4.5 गुना बढ़े ● 1.5 लाख करोड़ का होगा बाजार

बढ़त की वजह सिर्फ कम खर्च नहीं है। इसकी बड़ी वजह भारत में विशेषज्ञ डॉक्टरों का जल्दी मिल जाना है। इसके अलावा जांच रिपोर्ट्स का तुरंत आना और इलाज का खर्च पहले से तय हो जाना भी विदेशी मरीजों को लुभा रहा है। अमेरिका में जिस इलाज पर 15 हजार रुपए खर्च होते हैं, वहीं भारत में 1,000 से 2,000 रुपए में संभव है। नीदरलैंड्स में दांतों के सामान्य इलाज पर 16 हजार रुपए ज्यादा लगते हैं, जबकि लखनऊ में यही इलाज 3,000 रुपए में हो जाता है।

**भारत में 69 हजार अस्पताल:** भारत के पास

मेडिकल टूरिज्म संभालने के लिए बड़ा हेल्थ इंड्रा भी मौजूद है। देश में कुल 69,364 अस्पताल हैं। इनमें 43,486 निजी (करीब 66%) और 25,778 सरकारी अस्पताल हैं। 12 लाख रजिस्टर्ड डॉक्टर हैं। 1,299 अस्पतालों को एनएबीएच की मान्यता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह निजी नेटवर्क भारत आने वाले विदेशी मरीजों को संभालने की क्षमता देता है। 172 देशों को भारत अब दे रहा ई-मेडिकल वीसा ब्रिटिश नागरिक एंडरसन को अपने देश में न्यूरो परामर्श का वेटिंग पीरियड एक साल से ज्यादा था। भारत आने पर उन्हें

अपॉइंटमेंट अगले दिन मिल गया। एमआरआई व ब्लड टेस्ट तुरंत हुए और रिपोर्ट भी घंटे भर में मिल गई। इलाज की रफ्तार भी लोगों को भारत आने पर आकर्षित कर रही है।

भारत अब उन मरीजों को भी लुभा रहा है, जो पहले इलाज को तुर्किए व थाईलैंड जाते थे। इसकी वजह विशेषज्ञ डॉक्टर, अस्पतालों की मान्यता और खर्च का बड़ा अंतर है। डिजिटल माध्यमों से अब मरीज पहले ही डॉक्टर, अस्पताल, इलाज की प्रक्रिया की जानकारी ले लेते हैं। इससे भरोसा बढ़ा है।

**म.प्र.-राजस्थान में फिर तेज बारिश का अलर्ट**

**यूपी में 4 नदियां खतरे के निशान से ऊपर, हिमाचल में 27 दिन में 15 मौतें-135 सड़कें बंद**

**भोपाल/नई दिल्ली, एजेंसी।** बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तर ओडिशा-पश्चिम बंगाल तटों पर बने डिप्रेशन सिस्टम से कई राज्यों में मानसून फिर से एक्टिव हो गया है। मध्य प्रदेश और राजस्थान में आज से अस्सर दिखेगा। मौसम विभाग ने राजस्थान के भरतपुर, जयपुर, कोटा, अजमेर और उदयपुर संभाग के 10 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

**म.प्र. में 27 से 30 जुलाई** के बीच भारी बारिश की संभावना है। सोमवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन, रीवा सहित 55 जिलों में भारी बारिश का दौर रहेगा। इस मानसून अलर्ट जारी किया है। लखीमपुर इंच (334.9 मिमी) बारिश हुई है, जबकि इस समय तक 15.5 इंच (395.2 मिमी) बारिश होनी चाहिए थी। यानी अब तक 15% कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश



का दौर रहेगा। इस मानसून अलर्ट जारी किया है। लखीमपुर इंच (334.9 मिमी) बारिश हुई है, जबकि इस समय तक 15.5 इंच (395.2 मिमी) बारिश होनी चाहिए थी। यानी अब तक 15% कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश

के सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। लखीमपुर और बहराइच में बहुत भारी बारिश की चेतावनी है। सुबह से 40 से ज्यादा शहरों में बादल छाए हैं। घाघरा, शारदा समेत 4 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

# नोएडा जिला अस्पताल की इमरजेंसी में ऑनकॉल नहीं आया डॉक्टर

एक्सरे के बिना बच्चा किया रेफर; भड़के अपर निदेशक

नोएडा, एजेंसी। जिला अस्पताल की इमरजेंसी में गंभीर रूप से घायल मरीजों के तत्काल उपचार के लिए विशेषज्ञों को ऑनकॉल बुलाने की सेवा ध्वस्त हो गई है। चौकाने वाली बात है कि तीन दिन पूर्व अस्पताल के स्टाफ ने लहलुहान हालत में एक मरीज को विशेषज्ञ की परामर्श और बिना एक्सरे जांच के रेफर करने के लिए बोल दिया। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में मेरठ मंडल के अपर निदेशक इमरजेंसी में आनकाल विशेषज्ञ न बुलाने और एक्सरे के बिना मरीज रेफर करने पर भड़क गए। उन्होंने स्टाफ को फटकार लगाकर सीएमएस से मामले में जवाब तलब किया है।

**घायल बच्चे को बिना विशेषज्ञ परामर्श रेफर करने की तैयारी:** जानकारी के अनुसार, 24 जुलाई को नोएडा के एक परिवार ने सात वर्षीय आदिल को गंभीर हालत में उपचार के लिए जिला अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया था। बच्चे की हड्डी में काफी चोट लगी थी, जिससे खून लगातार बह रहा था। स्टाफ ने घायल बच्चे का खून साफ किया और पट्टी बांध दी। हैरानी की बात है कि स्टाफकमी ने ऑर्थोपैडिक विशेषज्ञ को बुलाने



के लिए न तो इमरजेंसी कॉल की और न ही उसकी चोट का सटीक पता लगाने के लिए एक्सरे किया। बावजूद इसके स्टाफकमी ने बच्चे को दूसरे अस्पताल रेफर करने के लिए बोल दिया।

**औचक निरीक्षण में खुली इमरजेंसी की पोल:** अब इस घटनाक्रम के बीच अपर निदेशक डॉ. मनोज

कुमार सेन जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर रहे थे। इमरजेंसी में पहुंचकर उन्होंने मरीजों से बातचीत की तो व्यवस्था पर सवाल खड़े होने लगे। अपर निदेशक ने बच्चे की स्थिति देखी और स्टाफ से विशेषज्ञ को आनकाल बुलाकर परामर्श देने व एक्सरे-जाने के लिए पूछ, तो जवाब में कहा कि इमरजेंसी में एक्सरे-

तकनीशियन की ड्यूटी नहीं है और विशेषज्ञ भी आनकाल बुलाने पर नहीं आते हैं। इतना सुनकर अपर निदेशक भड़क गए। उन्होंने सीएमएस को निर्देश देकर व्यवस्था बनवाकर मरीज का सफल उपचार शुरू किया।

**सीएमएस से मांगा जवाब, व्यवस्था पर उठे सवाल**

सूत्र बताते हैं कि 25 जुलाई की दोपहर बाद भी रेडियोलॉजी विभाग में एक्सरे-तकनीशियन के न होने की शिकायत सीएमएस से की गई। अब सवाल ये है कि क्या अस्पताल की इमरजेंसी यूनिट में व्यवस्था रामभरोसे चल रही है या फिर जिम्मेदार चिकित्सक अपने कर्तव्यों का पालन न कर शासन के आदेशों की धज्जियां उड़ा रहे हैं ? इमरजेंसी विभाग में आर्थोपैडिक विशेषज्ञ और एक्सरे-टेक्नीशियन को न बुलाने पर अपर निदेशक ने नाराजगी जाहिर की थी। उनके निर्देश पर स्टाफ को सख्त हिदायत दी गई है। किसी मरीज को स्वास्थ्य सेवा एवं उपचार में किसी तरह की दिक्कत न हो। इसका विशेष ध्यान दिया जाएगा। फिलहाल अपर निदेशक ने लिखित में जवाब-तलब नहीं किया है।

फरीदाबाद में मोहना एलिवेटेड मार्ग पर निर्माण कार्य ठप, पीडब्ल्यूडी को चार महीने से नहीं मिल रहे पाइप



**डगर, एजेंसी।** फरीदाबाद में मोहना एलिवेटेड मार्ग पर पेयजल की लाइन को बदलने के लिए पिछले चार महीने से पीडब्ल्यूडी को पाइप नहीं मिल रहे। यह लाइन जैन कॉलोनी के बूस्टर से पंचायत भवन के प्रांगण में बनाए गए बूस्टर के लिए जाती है। पाइपलाइन न बदले जाने के कारण पिछले चार महीने से पिलर डालने का काम ठप पड़ा हुआ है। चार दिन पहले पीडब्ल्यूडी के अधिकक्ष अभियंता मनोज ओला ने एलिवेटेड साइट का निरीक्षण किया था।

**निर्माण कार्य पूरा होने की चुनौती:** वहीं, निरीक्षण के दौरान ओला ने पीडब्ल्यूडी के विभागीय अधिकारियों और ठेकेदार को एलिवेटेड के काम को दिसंबर-2026 तक पूरा करने के निर्देश दिए। यदि इसी तरह से पाइपलाइन के कारण काम ठप रहा तो योजना का निर्माण कार्य अंतिम तारीख तक कैसे पूरा हो जाएगा।

## ट्रैफिक जाम से मिलेगी मुक्ति, नोएडा के सेक्टर 75 में बनेंगी नई सड़कें; जल्द शुरू होगा काम



**नोएडा, एजेंसी।** नोएडा में सेक्टर-75 की स्थिति और हालात जल्द बदलेंगे। पूर्व में लोगों की शिकायत पर नोएडा विधायक पंकज सिंह ने कार्रवाई के निर्देश दिए। रविवार को स्थानीय निवासी और नोएडा प्राधिकरण अधिकारियों संग समीक्षा बैठक की। सेक्टर-26 स्थित कार्यालय में आयोजित इस बैठक में नोएडा प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी और विभिन्न आवासीय सोसायटियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। विधायक पंकज सिंह ने सेक्टर-75

की वर्षों से लंबित समस्याओं का प्राथमिकता आधार पर समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए। वर्षों के बाद नोएडा प्राधिकरण और बिल्डर सड़कों की मरम्मत का कार्य करेगा।

**समीक्षा बैठक में कड़े निर्देश दिए:** एपेक्स एथेना के एओए सचिव राहुल सिन्हा ने बताया कि विधायक ने समीक्षा बैठक में कड़े निर्देश दिए। उन्होंने सड़क कार्यों के साथ खराब स्ट्रीट लाइटों की प्राथमिकता से मरम्मत कराने, डीसीपी ट्रैफिक द्वारा

सेक्टर का शीघ्र निरीक्षण कर यातायात जाम की समस्या दूर करने और माल से हो रहे ध्वनि प्रदूषण पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं प्राधिकरण की संयुक्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए गए।

### नई सुविधाओं के विस्तार पर भी सहमति

इसके अलावा ओपन जिम सहित सेक्टर के सौंदर्यीकरण, सार्वजनिक सुविधाओं के विकास, सोसायटियों की आंतरिक रखरखाव एवं नागरिक सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई, सेक्टर-15 सबस्टेशन से जुड़ी लोड शेडिंग समस्या का स्थायी समाधान और इंडोसेम पार्क के समुचित विकास एवं नई सुविधाओं के विस्तार पर भी सहमति बनी। बैठक में नोएडा प्राधिकरण ने सेक्टर-75 की फेडरेशन-75 के गठन का अनुरोध किया। साथ ही सेक्टर-75 की 16 सोसाइटियों के लिए बिल्डर, नोएडा प्राधिकरण और निवासी प्रतिनिधियों की संयुक्त त्रिपक्षीय बैठक आयोजित करने पर भी सहमति बनी, जिससे लंबित मुद्दों का समन्वित एवं स्थायी समाधान सुनिश्चित हो सकेगा।

## इसाइल को चुनौती दे रहा ईरान: हिजबुल्ला के समर्थन में आए मोजतबा, कहा- जिहाद और प्रतिरोध ही आखिरी रास्ता

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने इसाइल के खिलाफ हिजबुल्ला के लड़ाकों की खुलकर सराहना की है। उन्होंने हिजबुल्ला को आक्रामकता के खिलाफ मजबूत चढ़ान बताते हुए कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक ने लेबनानी लड़ाकों की रक्षा को अपनी रणनीतिक नीति का हिस्सा बनाया है। अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम के अनुसार, मोजतबा खामेनेई ने कहा कि हिजबुल्ला की मजबूती दुनिया भर के उन देशों के लिए हौसले का संदेश बन गई है, जो दमन और वैश्विक अहंकार के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं।

**शेख नईम कासिम को लिखे जवाब में क्या कहा गया:** सोशल मीडिया पर साझा किए गए संदेश में खामेनेई ने हिजबुल्ला के महासचिव शेख नईम कासिम और संगठन के लड़ाकों की ओर से भेजे गए वफादारी पत्र का जवाब दिया।



उन्होंने उनके धैर्य, बड़बपन और त्याग की सराहना करते हुए हिजबुल्ला को इसाइल के खिलाफ प्रतिरोध में सबसे आगे रहने वाली अडिग चढ़ान बताया। 'जिहाद और प्रतिरोध' को लेकर खामेनेई का क्या बयान रहा।

खामेनेई ने कहा कि आज जब दुनिया के कई देश अमेरिकी सरकार और अपराधी जायोनियों ताकतों के अत्याचार और दमन से परेशान हैं, तब जिहाद और प्रतिरोध के अलावा आगे बढ़ने का कोई दूसरा रास्ता नहीं बचा है।

उन्होंने कहा कि लेबनान का हिजबुल्ला जिहादी समूहों का नेतृत्व करते हुए इसाइल और उसके समर्थकों के हिंसक हमलों के खिलाफ मजबूती से खड़ा है। उनके अनुसार, यह दुष्टता दुनिया के आजाद देशों के लिए प्रेरणा का संदेश बन गई है। ईरान ने अपनी रणनीतिक नीति को लेकर क्या कहा मोजतबा खामेनेई ने कहा कि इन लड़ाकों की रक्षा करना ईरान की रणनीतिक नीति है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ युद्ध समाप्त करने से जुड़े किसी भी समझौते के लिए लेबनान की क्षेत्रीय अखंडता बनाए रखना और इसाइली 'आक्रामकता' को पूरी तरह तथा बिना शर्त समाप्त करना पहली शर्त होनी चाहिए।

**हिजबुल्ला के विकास को लेकर क्या टिप्पणी की गई:** खामेनेई ने दक्षिणी लेबनान के लोगों के धैर्य और समर्थन की सराहना की।

## नेपाल: भारत से सटे जिले में सांप्रदायिक हिंसा, एक की मौत, अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लागू; प्रशासन ने क्या कहा

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल के भारत से सटे सुनसरी जिले में सांप्रदायिक हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस घटना में सुरक्षा कर्मियों समेत कई अन्य लोग घायल हुए हैं। हिंसा के बाद प्रशासन ने सोमवार से इलाके के कुछ हिस्सों में अनिश्चितकाल के लिए पारबंदियां लगा दी हैं। सुनसरी जिला प्रशासन कार्यालय के अनुसार, यह पारबंदियां सुबह 7 बजे से लागू हुईं। ये प्रतिबंध कोशी प्रांत के इस जिले के पांच बाजार क्षेत्रों में लगाए गए हैं। प्रशासन के कहे कि ये आदेश अगले निर्देश तक लागू रहेंगे।

**किन गतिविधियों पर लगी रोक:** प्रशासन के आदेश के तहत प्रभावित इलाकों में चार से ज्यादा लोगों के एक साथ जमा होने, प्रदर्शन, सार्वजनिक बैठक और धरने पर रोक लगा दी गई है। पुलिस के अनुसार, रविवार रात देवांग ग्रामीण नगरपालिका के कसानगज इलाके में दो समुदायों



के लोगों के बीच झड़प हुई। दोनों समुदाय अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित कर रहे थे। इसी दौरान लाउडस्पीकर के इस्तेमाल और धार्मिक झंडे लगाने को लेकर विवाद शुरू हो गया। पुलिस ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच कहासुनी बढ़ गई और मामला हिंसा में बदल गया। स्थिति को संभालने के लिए सुरक्षा कर्मियों को मौके पर भेजा गया। गोलीबारी में युवक की मौत पुलिस के अनुसार, हालात को काबू में करने की कोशिश के

दौरान सुरक्षा बलों ने गोली चलाई। इसमें 24 साल के ओम प्रकाश महेता की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि झड़प में सुरक्षा कर्मियों समेत एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

**पावडी तोड़ने पर क्या होगी कार्रवाई:** प्रशासन ने कहा कि प्रतिबंधों का उल्लंघन करने वालों पर 500 नेपाली रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके अलावा उन्हें एक महीने तक की जेल या दोनों सजाएं दी जा सकती हैं।

# एपस्टीन की 'फेवरेट': बेलारूस की डेंटिस्ट की कहानी, जो 100 मिलियन, 33 कैरेट की हीरे की अंगूठी की बनी दावेदार

**वॉशिंगटन,एजेंसी।** अमेरिका में यौन अपराधों के आरोपी जेफरी एपस्टीन की मौत के करीब सात साल बाद उसकी कथित गर्लफ्रेंड डॉ. करिना शुलियाक एक बार फिर चर्चा में हैं। हाल ही में अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) द्वारा जारी लाखों दस्तावेजों में दोनों के रिश्ते से जुड़ी कई नई जानकारीयां सामने आई हैं। इन दस्तावेजों के अनुसार, बेलारूस की रहने वाली 37 वर्षीय डेंटिस्ट करिना शुलियाक एपस्टीन की वसीयत में शामिल हैं और उन्हें उसकी संपत्ति से 100 मिलियन डॉलर (करीब 860 करोड़ रुपये) तक की रकम और 33 कैरेट की हीरे की अंगूठी मिल सकती है। हालांकि उन्हें आखिरकार कितनी संपत्ति मिलेगी, यह अभी तय नहीं है।

**2011 में हुई थी पहली मुलाकात:** एक अमेरिकी समाचार पत्र की रिपोर्ट के मुताबिक, करिना 2010 में स्टूडेंट वीजा पर बेलारूस से अमेरिका आई थीं। वह



अंग्रेजी सीख रही थीं और एक डेडल असिस्टेंट के रूप में करीब 15 डॉलर प्रति घंटे की नौकरी करती थीं। मार्च 2011 में उनकी मुलाकात 58 वर्षीय जेफरी एपस्टीन से हुई। शुरुआत में उन्होंने एपस्टीन की आर्थिक मदद लेने से इनकार कर दिया था, लेकिन बाद में दोनों के बीच करीबी रिश्ता बन गया। कुछ ही महीनों में करिना एपस्टीन के न्यू मैक्सिको स्थित रैंच और निजी द्वीप तक पहुंच गईं।

**पढ़ाई से लेकर खर्च तक सब**

**उठया:** दस्तावेजों के मुताबिक, एपस्टीन ने करिना की पढ़ाई का पूरा खर्च उठया। उसने कोलंबिया यूनिवर्सिटी के डेंटल स्कूल में दाखिला दिलाने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल किया। रिपोर्ट के अनुसार, उसने विश्वविद्यालय को करीब 2.10 लाख डॉलर का दान भी दिया। एपस्टीन ने करिना की ट्यूशन फीस भरी, उन्हें क्रेडिट कार्ड दिया, दुनिया भर की यात्राएं कराईं और वर्षों में करीब 10 लाख डॉलर दिए। उसने करिना के माता-पिता को भी बेलारूस में हजारों डॉलर भेजे।

**अमेरिका की नागरिकता दिलाते के लिए कहाई शादी:** रिपोर्ट में दावा किया गया है कि करिना का स्टूडेंट वीजा खत्म हो चुका था। ऐसे में 2013 में एपस्टीन ने उन्हें अमेरिका में कानूनी रूप से रहने का रास्ता निकालने के लिए अपनी एक महिला कर्मचारी और कथित पीड़िता से शादी कराने की योजना बनाई। दोनों महिलाओं की शादी न्यूयॉर्क में हुई। इसके

बाद इमिग्रेशन दस्तावेज दाखिल किए गए और करिना को ग्रीन कार्ड मिल गया। बाद में 2018 में वह अमेरिकी नागरिक बन गईं। एक साल बाद दोनों का तलाक हो गया। बाद में अमेरिकी कांग्रेस की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि दूसरी महिला ने आरोप लगाया था कि उस पर यह शादी करने का दबाव बनाया गया था।

**एपस्टीन के घर और संपत्तियों का संभालती थीं काम:** 2019 तक करिना एपस्टीन के न्यूयॉर्क स्थित आलीशान घर में रहती थीं। वह उसकी कई संपत्तियों के प्रबंधन में भी मदद करती थीं। घरों की देखभाल, कर्मचारियों का काम, फनीचर की खरीद और अन्य व्यवस्थाएं वह संभालती थीं। रिपोर्ट के अनुसार, मोरक्को में एक महल खरीदने की कोशिश में भी उनकी भूमिका थी।

**मौत से पहले आखिरी बार करिना से हुई थी बात:** जुलाई 2019 में एपस्टीन को यौन तस्करी के आरोप में

गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के करीब एक महीने बाद जेल से उसने करिना को फोन किया। बताया जाता है कि यही उसकी आखिरी फोन कॉल थी। उसने करिना से कहा था कि मुकदमे में समय लगेगा और फिलहाल वह कहीं और रहने की व्यवस्था कर लें। अगले ही दिन 10 अगस्त 2019 को न्यूयॉर्क की जेल में एपस्टीन मृत पाया गया। अधिकारियों ने उसकी मौत को आत्महत्या बताया था।

**वसीयत में मिला बड़ा हिस्सा:** मौत से कुछ समय पहले एपस्टीन ने अपनी वसीयत में संशोधन किया था। उसमें करिना के लिए 33 कैरेट की हीरे की अंगूठी और अपनी संपत्ति का बड़ा हिस्सा छोड़ा गया। हालांकि पीड़ितों को मुआवजा देने के बाद अब एपस्टीन की संपत्ति का मूल्य लगभग 120 से 200 मिलियन डॉलर के बीच बताया जाता है।

## अम्मी को मत मारो चाचा': गाजियाबाद में मासूम गिड़गिड़ाता रहा और सनकी आशिक ने गला दबाकर महिला को मार डाला



**गाजियाबाद, एजेंसी।** प्रेम नगर कॉलोनी में रिजवाना की हत्या के समय उनके दो छोटे बच्चे घर पर थे। जबकि दोनों बड़े बच्चे स्कूल गए हुए थे। दोनों में हाथापाई होने पर चार वर्षीय बेटे ने चाचा को अम्मी को न मारने के लिए कहा, लेकिन आरोपित ने उसकी एक न सुनी। लोगों ने बताया कि निसार के घर से निकालने के कुछ देर बाद ही फैजान घर पहुंचा। वह रिजवाना से बातचीत करने लगा। इस दौरान उसने बच्चों को बाहर भेज दिया। कुछ देर बाद कमरे से तेज आवाज आने लगी तो चार वर्षीय बेटा कमरे में चला गया। उसने देखा कि चाचा रस्सी से अम्मी का गला दबा रहे हैं। उसने रोते हुए चाचा से अम्मी को न मारने के लिए कहा, लेकिन आरोपित ने उसकी एक न सुनी। आरोपित यही कहता रहा कि अगर तू मेरी नहीं हुई तो किसी की नहीं रहने दूंगा। एसीपी लोनी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में फैजान का एकतरफा प्रेम सामने आया है। उसने रिजवाना से साथ चलने को कहा लेकिन उसने साथ चलने से मना कर दिया। गुस्से में आरोपित ने रिजवाना की गला दबाकर हत्या कर दी।

**बेसुध मां से लिपट कर रोते रहे बच्चे:** आरोपित के जाने के बाद रिजवाना बेसुध फर्श पर पड़ी थीं। चार वर्षीय बेटा मां से लिपट कर रोता रहा। बच्चों के रोने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और निसार को घटना की जानकारी दी।

**पेपर लीक पर होगी सख्त कार्रवाई', सीएम रेखा गुप्ता बोली- निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था के लिए सरकार प्रतिबद्ध**



**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि भारत के युवाओं का भविष्य निष्पक्षता, पारदर्शिता और समान अवसरों पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर हर छात्र की आकांक्षाओं की रक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पेपर लीक जैसी अनियमितताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और मजबूत कानूनी प्रावधानों के जरिए परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

## ऑल इंडिया पुलिस वूशु प्रतियोगिता में सीधी के खिलाड़ियों का जलवा: एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीतकर बढ़ाया जिले का गौरव



**मीडिया ऑडीटर, सीधी ( निप्र )।** खेल प्रतिभा और कड़ी मेहनत के दम पर सीधी जिले के खिलाड़ियों ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है हैदराबाद में आयोजित ऑल इंडिया पुलिस वूशु प्रतियोगिता-2026 में सीधी जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीतकर जिले और प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है प्रतियोगिता का आयोजन 23 से 30 जुलाई 2026 तक हैदराबाद में किया

गया, जिसमें देशभर के विभिन्न पुलिस बलों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में सीधी जिले के तीन खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पदक अपने नाम किए प्रतियोगिता में गीतांजलि त्रिपाठी ने सीआईएसएफ की ओर से खेलेते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया वहीं राहुल यादव ने सीआईएसएफ का प्रतिनिधित्व करते हुए रजत पदक जीता। इसके अलावा वैष्णवी त्रिपाठी ने बीएसएफ की ओर से शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य



पदक अपने नाम किया। विशेष बात यह है कि तीनों खिलाड़ी सीधी स्थित वूशु ट्रेनिंग सेंटर, पुलिस लाइन में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं वर्तमान में ये खिलाड़ी खेल कोटे के माध्यम से देश के प्रतिष्ठित केंद्रीय सुरक्षा बलों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। गीतांजलि त्रिपाठी और राहुल यादव जहां सीआईएसएफ में पदस्थ हैं, वहीं वैष्णवी त्रिपाठी बीएसएफ में अपनी सेवाएं दे रही हैं खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के साथ-साथ देश सेवा में योगदान देना जिले के युवाओं के लिए प्रेरणादायक उदाहरण बन गया है सीधी के इन खिलाड़ियों ने यह साबित किया है कि यदि प्रतिभा

को सही मार्गदर्शन, अनुशासन और मेहनत का साथ मिले तो छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों से भी खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल कर सकते हैं। जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी ने खिलाड़ियों को इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह सफलता पूरे सीधी जिले के लिए गर्व का विषय है उन्होंने कहा कि सीधी के खिलाड़ी लगातार राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर जिले की पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहे हैं

खेल विभाग द्वारा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, संसाधन और अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों की उपलब्धियां जिले के अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगी और अधिक से अधिक युवा खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित होंगे जिला वूशु संघ की अध्यक्ष डॉ. रंजना मिश्रा ने भी खिलाड़ियों की सफलता पर खुशी जताई उन्होंने कहा कि सीधी के खिलाड़ियों ने पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है उन्होंने कहा कि पुलिस लाइन स्थित वूशु ट्रेनिंग सेंटर में खिलाड़ियों द्वारा किया गया निरंतर अभ्यास, अनुशासन और समर्पण ही इस सफलता का आधार है उन्होंने खिलाड़ियों के साथ-साथ उनके प्रशिक्षक मानिंद शेर अली खान को भी बधाई देते हुए शुभकामनाएं दीं डॉ. मिश्रा ने कहा कि जिले में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है जल्द ही वे तो उन्हें सही प्रशिक्षण और अवसर

उपलब्ध कराने की सीधी के खिलाड़ियों की यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक साबित होगी। जिला खेल प्रशिक्षक एवं वूशु कोच मानिंद शेर अली खान ने कहा कि इन खिलाड़ियों ने अपने खेल जीवन की शुरुआत सीधी के प्रशिक्षण केंद्र से की थी शुरुआती दौर से ही इन खिलाड़ियों ने मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण दिखाया उन्होंने कहा कि आज यही खिलाड़ी देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर जिले का गौरव बढ़ा रहे हैं उनकी सफलता यह संदेश देती है कि निरंतर प्रयास और सही प्रशिक्षण से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है कोच ने कहा कि सीधी के वूशु ट्रेनिंग सेंटर में भविष्य में भी नई प्रतिभाओं को तैयार करने के लिए प्रयास जारी रहेंगे, ताकि जिले से और अधिक खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकें।

### गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग, मऊगंज में गोसेवकों ने सौंपा ज्ञापन



**मीडिया ऑडीटर, मऊगंज ( निप्र )।** गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग को लेकर सोमवार को मऊगंज में गोसेवकों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गो सम्मान आह्वान अभियान के तहत पहुंचे गोसेवकों ने नायब तहसीलदार नीरज द्विवेदी को ज्ञापन सौंपते हुए गौवंश संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की समाजसेवी अखिलेश पांडे के नेतृत्व में गोसेवक चाक मोड़ से भजन-कीर्तन करते हुए कलेक्टर कार्यालय पहुंचे इस दौरान उन्होंने अभियान के तहत जुटाए गए करीब 1 लाख 25 हजार लोगों के हस्ताक्षर वाली सीडी भी प्रशासन को सौंपी ज्ञापन में गौ माता को राष्ट्रमाता या राष्ट्र आराध्या के रूप में संवैधानिक मान्यता देने, गौवंश संरक्षण के लिए एकीकृत कानून बनाने, अलग गोपालन मंजालय की स्थापना और गौ तस्करी व गौवध पर कठोर कार्रवाई की मांग की गई।

गोसेवकों ने ग्राम पंचायत स्तर पर नंदीशाला, जिला स्तर पर आदर्श गो अभ्यारण्य, राजमार्गों पर गौ-वाहिनी एंबुलेंस की व्यवस्था और गोचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग भी रखी अखिलेश पांडे ने बताया कि अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि मांगों को लेकर जिला और प्रदेश स्तर पर जनजागरण किया जाएगा तथा आवश्यकता पड़ने पर दिल्ली में भी प्रदर्शन किया जाएगा। नायब तहसीलदार नीरज द्विवेदी ने ज्ञापन प्राप्त कर उसे वरिष्ठ अधिकारियों तक भेजने का आश्वासन दिया।

### सूदखोरी के दबाव में कारोबारी आत्महत्या मामला: रेलवे कर्मचारी समेत 3 आरोपी गिरफ्तार, सुसाइड नोट के आधार पर पुलिस की कार्रवाई



**मीडिया ऑडीटर, शहडोल ( निप्र )।** शहर के चर्चित कारोबारी आत्महत्या मामले में कोनवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रेलवे कर्मचारी समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 15 जून को कारोबारी नितिन गुप्ता (38) द्वारा आत्महत्या किए जाने के मामले में मिले डेढ़ पेज के सुसाइड नोट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ आत्महत्या के लिए दुर्रिगत करने का मामला दर्ज किया गया है पुलिस ने रविवार को आरोपी नितिन चौरसिया, राकेश यादव उर्फ बब्लू और रेलवे कर्मचारी सरिता यादव को गिरफ्तार किया। तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है

पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है पुलिस के मुताबिक, कारोबारी नितिन गुप्ता ने 15 जून को अपनी दुकान में फंसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। घटना के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की थी जांच के दौरान मृतक के पास से एक डेढ़ पेज का सुसाइड नोट मिला, जिसमें उन्होंने आर्थिक परेशानी, बढ़ते कर्ज और मानसिक दबाव का उल्लेख किया था कोतवाली थाना प्रभारी राधेन्द्र तिवारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया कि कारोबारी ने आरोपियों से करीब एक लाख रुपए उधार लिए थे समय बीतने के साथ मूलधन और व्याज की राशि बढ़ती गई, जिससे कारोबारी पर आर्थिक दबाव बढ़ता गया रोप है

कि पैसों के लेन-देन को लेकर लगातार दबाव बनाए जाने से नितिन गुप्ता मानसिक तनाव में आ गए थे। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि उनकी जमीन की रजिस्ट्री सरिता यादव के नाम कर दी गई थी और मकान भी करीब 13 लाख रूपए में बेचा गया था इसके बाद भी पैसों को लेकर दबाव बनाए जाने का आरोप लगाया गया है।

**संपत्ति और लेन-देन की जांच जारी:** पुलिस ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर प्रथम दृष्टया आत्महत्या के लिए दुर्रिगत करने की पुष्टि होने पर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की विवेचना अभी जारी है आर्थिक लेन-देन, संपत्ति हस्तांतरण से जुड़े दस्तावेजों और अन्य तथ्यों की गहन जांच की जा रही है पुलिस यह भी पता लगा रही है कि इस मामले में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका तो नहीं है।

### मऊगंज में 63 लीटर अवैध शराब जब्त, आरोपी गिरफ्तार



**मीडिया ऑडीटर, मऊगंज ( निप्र )।** जिले में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत हनुमान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 63 लीटर अवैध देशी शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही अपाचे बाइक भी जब्त की है पुलिस के अनुसार सोमवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति सफेद रंग की अपाचे मोटरसाइकिल से बैग और झोलों में बड़ी मात्रा में अवैध शराब लेकर निर्मांपुर (उत्तरप्रदेश) से मऊगंज की ओर आ रहा है सूचना के आधार पर हनुमान पुलिस टीम ने हाईवे रोड मसुरिहा के पास घेराबंदी कर सिरिध बाइक सवार को रोककर तलाशी ली तलाशी के दौरान बाइक पर रखी 6 पेटियों से 63 लीटर देशी शराब बरामद हुई। जब्त शराब की कीमत करीब 25 हजार 200 रुपए और बाइक की कीमत लगभग 1 लाख 20 हजार रुपए बताई गई है पुलिस ने कुल 1 लाख 45 हजार 200 रुपए का सामान जब्त किया है आरोपी की पहचान राजबहाुर पटेल (50), निवासी ग्राम देवरा, थाना शाहपुर, जिला मऊगंज के रूप में हुई पुलिस ने उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है पुलिस का कहना है कि अवैध शराब कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

### अंबेडकर चौराहे पर फिर मारपीट: व्यापारियों में नाराजगी, पुलिस व्यवस्था पर उठे सवाल



**मीडिया ऑडीटर,सिमरौली ( निप्र )।** बैढ़न थाना क्षेत्र के प्रमुख अंबेडकर चौराहे पर सोमवार को एक बार फिर मारपीट की घटना सामने आई दो लोगों के बीच शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हाथापाई में बदल गया घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद शहर की सुख्या व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं अंबेडकर चौराहा शहर के व्यस्ततम इलाकों में शामिल है यहां हुई मारपीट की घटना के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई हालांकि मारपीट करने वाले व्यक्तियों की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है स्थानीय लोगों का कहना है कि

अंबेडकर चौराहे पर इस तरह की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं इससे पहले रविवार को भी एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें एक नाबालिग द्वारा एक अथेड़ व्यक्ति से मारपीट करने का मामला सामने आया था लगातार हो रही घटनाओं से क्षेत्र के व्यापारी और रहगिर खुद को असुविधित महसूस कर रहे हैं।

**शराब दुकान को लेकर व्यापारियों में नाराजगी:** अंबेडकर चौराहे पर कापड़े की दुकान संचालित करने वाले व्यापारी रजेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि चौराहे के पास स्थित शराब दुकान के कारण आए दिन नशे की हालत में विवाद और

मारपीट की स्थिति बनती रहती है उन्होंने कहा कि इससे दुकानदारों के साथ-साथ ग्राहकों और रहगिरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है स्थानीय व्यापारियों का आरोप है कि चौराहे पर पुलिस चेक प्वाइंट होने के बावजूद सोमवार की घटना के दौरान पुलिसकर्मों समय पर मौके पर नहीं पहुंचे उनका कहना है कि यदि पुलिस तत्काल पहुंचती तो विवाद को बढ़ने से रोका जा सकता था इस मामले में बैढ़न थाना प्रभारी अशोक सिंह परिहार ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी नहीं मिली है उन्होंने कहा कि यदि किसी भी पक्ष की ओर से शिकायत प्राप्त होती है तो मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी लगातार सामने आ रही घटनाओं के बाद स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने अंबेडकर चौराहे पर नियमित पुलिस गस्त बढ़ाने, असाभाविक तत्वों पर निगरानी रखने और सुख्या व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

### स्टार ऑफ द मंथ’ सम्मान से नवाजे गए उत्कृष्ट अधिकारी और कर्मचारी



**मीडिया ऑडीटर, सीधी ( निप्र )।** जिला प्रशासन में उत्कृष्ट कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने और बेहतर सेवाओं के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से शुरू की गई 'स्टार ऑफ द मंथ' पहल के तहत सोमवार को उत्कृष्ट अधिकारी एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया जिला पंचायत सभागार में आयोजित समय-सीमा बैठक के दौरान कलेक्टर विकास मिश्रा ने चयनित अधिकारी एवं

कर्मचारियों को 'उत्कृष्टता पुरस्कार' प्रदान किए इस माह उत्कृष्ट कार्य के लिए जिला कोषालय सीधी के सहायक कोषालय अधिकारी अमित कुमार चतुर्वेदी और कार्यालय कलेक्टर सीधी के सहायक वर्ग-3 एवं स्थापना लिपिक शिवकुमार सिंह को सम्मानित किया गया कलेक्टर ने दोनों अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके बेहतर कार्य निष्पादन, अनुकरणीय सेवा-भाव और

प्रशासनिक योगदान के लिए प्रशस्ति प्रदान की।

**समयबद्ध और पारदर्शी कार्य के लिए अमित चतुर्वेदी सम्मानित:** सहायक कोषालय अधिकारी अमित कुमार चतुर्वेदी ने स्थापना से जुड़े विभिन्न कार्यों का समय-सीमा में पारदर्शी और दक्षतापूर्ण तरीके से निष्पादन किया प्रशासनिक कार्यों में उनकी कार्यकुशलता और जिम्मेदारीपूर्ण भूमिका को देखते हुए उन्हें 'स्टार ऑफ द मंथ' के लिए चयनित किया गया उनके द्वारा किए गए कार्यों से कार्यालयीन व्यवस्थाओं को अधिक प्रभावी बनाने में सहायता मिली और लॉबत कार्यों के निराकरण में भी गति आई। कार्यालय कलेक्टर सीधी में सहायक वर्ग-3 एवं स्थापना लिपिक के पद पर पदस्थ

शिवकुमार सिंह ने स्थापना संबंधी कार्यों का सुव्यवस्थित और उत्तरदायित्वपूर्ण ढंग से निर्वहन किया उनके कार्यों में दक्षता, अनुशासन और समयबद्धता को देखते हुए उन्हें उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया उनके प्रयासों से कार्यालय की कार्यप्रणाली को अधिक व्यवस्थित और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिला इस अवसर पर कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि जिला प्रशासन में बेहतर कार्य करने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों को पहचान और सम्मान देना आवश्यक है। 'स्टार ऑफ द मंथ' पहल का उद्देश्य कर्मचारियों में कार्यकुशलता, पारदर्शिता, जवाबदेही और सेवा भावना को बढ़ावा देना है।

### करहिया में बिजली कनेक्शन का बड़ा खेल? किसान योजना का ट्रांसफार्मर, आरडीएसएस के खंभे और कथित अवैध प्लॉटिंग तक पहुंची सुविधा!

**अधिकारियों के बदले बयान से बढ़ सस्पेंस, ग्रामीण बोले—किसानों को अंधेरे में रख भू-माफिया को रेशनी क्यों?**



**मीडिया ऑडीटर,रीवा ( निप्र )।** करहिया क्षेत्र में बिजली विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर उठे सवाल अब बड़े विवाद का रूप लेते जा रहे हैं। किसानों और ग्रामीण उपभोक्ताओं के हित में स्वीकृत किसान योजना के ट्रांसफार्मर तथा आरडीएसएस (ऋस्स) योजना के

तहत लगाए गए बिजली खंभों और लाइन को लेकर ऐसा मामला सामने आया है जिसने विभागीय जवाबदेही और सरकारी योजनाओं की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं आरोप है कि सरकारी योजनाओं के तहत तैयार की गई विद्युत अधोसंरचना का लाभ कथित रूप से निजी एवं अवैध प्लॉटिंग क्षेत्र

तक पहुंचाया गया। स्थानीय लोगों का दावा है कि करहिया में स्थापित 25 केवीए ट्रांसफार्मर कृषि उपयोग के लिए स्वीकृत हुआ था। वहीं आरडीएसएस योजना के तहत लगाए गए खंभों और लाइन का उद्देश्य ग्रामीण विद्युत व्यवस्था को मजबूत करना था लेकिन अब इन्हीं संसाधनों के जरिए कथित रूप से निजी प्लॉटिंग क्षेत्र तक बिजली पहुंचाने की चर्चा ने पूरे इलाके में हलचल मचा दी है। मामला तब और उलझ गया जब जिम्मेदार अधिकारियों के बयान सामने आए ग्रामीण वितरण संभाग (डी ग्रामीण) के अधिकारी ने पहले कहा कि संबंधित क्षेत्र उनके अधिकार क्षेत्र में

नहीं आता बाद में उन्होंने यह भी कहा कि संबंधित लाइन काट दी गई है तथा वहां लगा पोल कंपनी का है वह वहां कैसे लगा इसकी जानकारी कंपनी ही दे सकती है दूसरी ओर शहर क्षेत्र के बिजली विभाग के इंजीनियर ने साफ कहा कि यह उनका क्षेत्र नहीं है और संबंधित मामला ग्रामीण क्षेत्र की योजना से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि इस बारे में पूरी जानकारी ग्रामीण वितरण संभाग ही दे सकता है।अब सवाल यह है कि जब दोनों विभाग एक-दूसरे की ओर जिम्मेदारी बढ रहे हैं तो आखिर करहिया में लगाए गए खंभे, लाइन और ट्रांसफार्मर की जवाबदेही किसकी है?

## PM मोदी ने सीधी के जल संरक्षण मॉडल की सराहना: ‘कैच द रेन’ अभियान में 1500 खेत तालाब बने मिसाल, मन की बात में किया उल्लेख



**मीडिया ऑडीटर, सीधी ( निप्र )।** जल संरक्षण के क्षेत्र में सीधी जिले द्वारा किए जा रहे प्रयासों को देशभर में पहचान मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 136वें एपिसोड में सीधी जिले के जल संरक्षण कार्यों का उल्लेख करते हुए जिले की जनभागीदारी आधारित पहल की सराहना की। उन्होंने 'कैच द रेन' अभियान को

जन आंदोलन बताते हुए सीधी में बनाए गए करीब 1,500 खेत तालाबों को इस अभियान की सफलता का उदाहरण बताया प्रधानमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें समाज की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने वर्षा जल संचयन, भूजल स्तर बढ़ाने, पुराने जल स्रोतों के पुनर्जीवन और पौधारोपण जैसे कार्यों में लोगों की सहभागिता को

अभियान की सबसे बड़ी ताकत बताया।

**सीधी में 12,983 जल संरक्षण कार्य पूरे:** सीधी जिले में जल संरक्षण को लेकर व्यापक स्तर पर कार्य किए गए हैं जिले में अब तक कुल 12,983 जल संरक्षण कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं इनमें बड़ी संख्या में नए खेत तालाबों का निर्माण, पुराने तालाबों और जल स्रोतों का जर्गीकरण तथा वर्षा जल को संरक्षित करने से जुड़े कार्य शामिल हैं जिले में बनाए गए 1,489 नए खेत तालाब प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रखना भी है जल संरक्षण के इन कार्यों में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी ने अभियान को मजबूती प्रदान की है।

**पंचायतों से लेकर किसानों तक की रही भागीदारी:** सीधी जिले का जल संरक्षण मॉडल केवल प्रशासनिक प्रयासों तक

नदियों और जल स्रोतों के संरक्षण के लिए भी प्रयास: सीधी जिले में जल संरक्षण अभियान के तहत स्थानीय स्तर पर नदियों और जल स्रोतों के संरक्षण के लिए भी कई पहल की गई हैं सोन, गोपद और बतास नदियों के संरक्षण एवं सफाई को लेकर ग्रामीणों और विभिन्न संगठनों द्वारा अभियान चलाए गए हैं इन प्रयासों का उद्देश्य केवल जल उपलब्धता बढ़ाना नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रखना भी है जल संरक्षण के इन कार्यों में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी ने अभियान को मजबूती प्रदान की है।

**पंचायतों से लेकर किसानों तक की रही भागीदारी:** सीधी जिले का जल संरक्षण मॉडल केवल प्रशासनिक प्रयासों तक

सीमित नहीं रहा इसमें ग्राम पंचायतों, किसानों, स्वयंसेवी संगठनों और आम ग्रामीणों ने सक्रिय भूमिका निभाई गांव-गांव में लोगों ने जल संरक्षण के महत्व को समझते हुए श्रमदान और सहयोग के माध्यम से तालाब निर्माण एवं अन्य कार्यों में भागीदारी की सामूहिक प्रयासों के कारण जिले में जल संरक्षण अभियानों को व्यापक जनसमर्थन मिला और यह एक सफल मॉडल के रूप में सामने आया जिला पंचायत के मुख्य कार्यापालन अधिकारी शैलेन्द्र सोलंकी ने प्रधानमंत्री द्वारा सीधी जिले का उल्लेख किए जाने को जिले के लिए गौरव का विषय बताया उन्होंने कहा कि जनभागीदारी पर आधारित सीधी का जल संरक्षण मॉडल अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणादायक बन सकता है उन्होंने

कहा कि जिले में जल संरक्षण को लेकर किए जा रहे कार्यों को आगे भी गति दी जाएगी ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण क्षेत्रों में जल उपलब्धता सुनिश्चित हो सके और किसानों को इसका लाभ मिल सके।

प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम में सीधी जिले का नाम आने के बाद ग्रामीणों और प्रशासन में उत्साह का माहौल है स्थानीय लोगों ने इसे जल संरक्षण के लिए किए गए सामूहिक प्रयासों का सम्मान बताया प्रशासन का कहना है कि प्रधानमंत्री द्वारा सराहना मिलने से जिले में जल संरक्षण के कार्यों को और बढ़ावा मिलेगा। आने वाले समय में अधिक संख्या में जल संरचनाओं के निर्माण, पुराने जल स्रोतों के संरक्षण और जनभागीदारी बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

### चित्रकूट में बीच सड़क हुक्का-शराब पार्टी, युवकों ने मचाया हुड़दंग



**मीडिया ऑडीटर, सतना ( निप्र )।** धार्मिक नगरी चित्रकूट में रविवार रात बीच सड़क पर जन्मदिन के नाम पर हुक्का पार्टी और शराबखोरी का मामला सामने आया है दिल्ली नंबर की कार से पहुंचे करीब आधा दर्जन युवकों ने नगर परिषद कार्यालय के सामने सड़क पर हुक्का रखकर तेज संगीत पर डंस किया प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवकों ने मौके पर शराब का सेवन भी किया। सार्वजनिक स्थान पर इस तरह की गतिविधि देखकर श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में नाराजगी फैल गई लोगों ने जब इसका विरोध किया तो युवकों और स्थानीय लोगों के बीच बहस हुई, जिसके बाद सभी युवक कार में बैठकर मौके से फरार हो गए घटना का वीडियो भी सामने आया है जिसमें युवक सड़क पर हुक्का पीते और हुड़दंग करते नजर आ रहे हैं। कार में बीचरी की केन रखे होने की बात भी सामने आई है स्थानीय लोगों ने कहा कि चित्रकूट एक धार्मिक और आध्यात्मिक नगरी है जहां देशभर से श्रद्धालु आते हैं ऐसे स्थान पर सार्वजनिक रूप से शराब और हुक्का पार्टी करना धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है लोगों ने प्रशासन से युवकों की पहचान कर कार्रवाई करने और धार्मिक क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।



# सौर ऊर्जा से बदली जिंदगी: पीएम सूर्य घर योजना ने आशीष मजूमदार का बिजली बिल किया शून्य, हर महीने हजारों रुपये की बचत



**मीडिया ऑडिटर, एमसीबी ( निप्र )।** प्रधानमंत्री सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों के लिए आर्थिक राहत और ऊर्जा आत्मनिर्भरता का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रही है मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले में इस योजना के सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। जिले के विकासखंड मनेन्द्रगढ़ निवासी आशीष मजूमदार इस योजना के सफल लाभार्थियों में शामिल हैं जिन्होंने अपने घर की छत पर



सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कर न केवल बिजली बिल से राहत पाई बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति भी मजबूत की है करीब सात महीने पहले आशीष मजूमदार ने प्रधानमंत्री सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना के तहत भारत सरकार से 78 हजार रुपये तथा छत्तीसगढ़ शासन से 30 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई। कुल 1.08 लाख रुपये की अनुदान राशि मिलने से सोलर सिस्टम की लागत

काफी कम हो गई और बिना किसी आर्थिक दबाव के वे स्वच्छ ऊर्जा से जुड़ सके। आशीष मजूमदार बताते हैं कि सोलर सिस्टम लगाने से पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल सामान्य दिनों में 2 हजार से 3 हजार रुपये तक आता था गर्मियों में एयर कंडीशनर और अन्य विद्युत उपकरणों के अधिक उपयोग के कारण यह बिल बढ़कर करीब 5 हजार रुपये प्रति माह तक पहुँच जाता था। लगातार बढ़ते बिजली खर्च का असर परिवार के मासिक बजट पर पड़ता था लेकिन सोलर

रूफटॉप सिस्टम स्थापित होने के बाद पिछले सात महीनों से उनका बिजली बिल पूरी तरह शून्य हो गया है। इससे हर महीने हजारों रुपये की बचत हो रही है जो अब परिवार के अन्य महत्वपूर्ण कार्यों में खर्च की जा रही है। आशीष मजूमदार के अनुसार अब उनके घर की अधिकांश बिजली जरूरतें सौर ऊर्जा से पूरी हो रही हैं बिजली बिल में होने वाली बचत का उपयोग वे बच्चों की शिक्षा, घरेलू आवश्यकताओं और भविष्य की आर्थिक योजनाओं में कर रहे हैं इससे परिवार पर आर्थिक बोझ कम हुआ है और नियमित बचत की नई संभावना भी बनी है उन्होंने कहा कि पहले जहाँ हर महीने बिजली बिल की चिंता रहती थी, वहीं अब सोलर सिस्टम लगने के बाद यह चिंता लगभग समाप्त हो गई है। उनका मानना है कि एक बार सोलर संयंत्र स्थापित करने के बाद कई वर्षों तक इसका लाभ मिलता है और परिवार को स्थायी आर्थिक राहत प्राप्त होती है प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना केवल

बिजली बिल कम करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है आशीष मजूमदार का कहना है कि सौर ऊर्जा अपनाने से जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होती है, जिससे कार्बन उत्सर्जन में कमी आती है और स्वच्छ पर्यावरण को बढ़ावा मिलता है उन्होंने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा अपनाना आज समय की आवश्यकता है और यदि अधिक से अधिक लोग इस योजना से जुड़ेंगे तो देश ऊर्जा आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्य को भी तेजी से प्राप्त कर सकेगा योजना से मिले लाभ पर खुशी व्यक्त करते हुए आशीष मजूमदार ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना विशेष रूप से मध्यमवर्गीय और सामान्य परिवारों के लिए बेहद उपयोगी है इससे बिजली बिल में बड़ी राहत मिलती है और परिवार की आय

का बेहतर उपयोग अन्य आवश्यक कार्यों में किया जा सकता है उन्होंने जिले के अन्य नागरिकों से भी इस योजना का लाभ उठाने की अपील करते हुए कहा कि यदि लोग अपने घरों में सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कराते हैं तो आने वाले वर्षों में उन्हें बिजली खर्च से काफी हद तक मुक्ति मिल सकती है प्रधानमंत्री सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से एमसीबी जिले में अक्षय ऊर्जा के प्रति लोगों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है बड़ी संख्या में नागरिक अब अपने घरों में सोलर रूफटॉप सिस्टम लगाने के लिए आगे आ रहे हैं इससे न केवल बिजली की बचत हो रही है बल्कि स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को भी बढ़ावा मिल रहा है प्रशासन का मानना है कि योजना के सफल क्रियान्वयन से जिले में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हो रही है साथ ही लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में भी यह योजना प्रभावी भूमिका निभा रही है।



**मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम ( निप्र )।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से प्रस्तावित मुलाकात रद्द होने पर संयुक्त किसान मोर्चा ने आंदोलन तेज करने का फैसला लिया है किसान नेताओं का आरोप है कि मुलाकात का समय तीन बार बदला गया और वे भोपाल के लिए रवाना भी हो गए लेकिन रास्ते में सूचना मिली कि मुख्यमंत्री दिल्ली चले गए हैं इसके बाद सभी किसानों को वापस लौटना पड़ा क्रांतिकारी किसान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष लीलाधर राजपूत ने कहा कि किसान ‘फालतू नहीं हैं’ कि उन्हें बार-बार बुलाकर वापस भेज दिया जाए उन्होंने घोषणा की कि

सोमवार को सेठानी घाट से भोपाल तक पैदल मार्च निकाला जाएगा और 30 जुलाई से मुख्यमंत्री निवास के बाहर अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा संयुक्त किसान मोर्चा की आपात बैठक में तय किया गया कि किसान 29 जुलाई तक भोपाल पहुँचेंगे आंदोलन के लिए भोजन, रहने और मंच की व्यवस्था भी की गई है। किसानों की प्रमुख मांगों में मूँग की 100 प्रतिशत सरकारी खरीदी, ई-टोकन व्यवस्था को सरल और पारदर्शी बनाना तथा खरीदी से जुड़ी अन्य समस्याओं का समाधान शामिल है किसान नेताओं ने स्पष्ट किया कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

## नैनो डीएपी से बदली महिला किसान की तकदीर: कम लागत में बेहतर उत्पादन की राह पर छिद्रकुंवर, बनीं क्षेत्र की प्रेरणा



**मीडिया ऑडिटर, एमसीबी ( निप्र )।** आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है इसका जीवंत उदाहरण मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले के ग्राम विश्रामपुर की महिला कृषक छिद्रकुंवर ने प्रस्तुत किया है। उन्होंने पारंपरिक खेती से आगे बढ़ते हुए इफको नैनो डीएपी का

उपयोग किया, जिससे उनकी फसल में बेहतर वृद्धि, कम लागत और अधिक उत्पादन की संभावनाएं मजबूत हुई हैं आज वे अपने क्षेत्र के किसानों, विशेषकर महिला कृषकों के लिए प्रेरणा बन गई हैं छिद्रकुंवर कई वर्षों से खेती कर रही हैं। बढ़ती उर्वरक लागत और उत्पादन में अनिश्चितता उनके सामने बड़ी चुनौती थी। इसी दौरान कृषि विभाग एवं आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित कछौड़, शाखा मनेन्द्रगढ़ के माध्यम से उन्हें इफको नैनो डीएपी की जानकारी मिली कृषि विशेषज्ञों ने बताया कि यह आधुनिक उर्वरक पौधों को आवश्यक पोषक तत्व अधिक प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराता है और पारंपरिक डीएपी की तुलना में कम मात्रा में उपयोग होने के बावजूद बेहतर परिणाम

देता है विशेषज्ञों की सलाह पर उन्होंने अपनी फसल में नैनो डीएपी का छिड़काव किया। कुछ ही समय में फसल में सकारात्मक बदलाव दिखाई देने लगे। पौधों की बढ़वार तेज हुई हरियाली बढ़ी और फसल पहले की तुलना में अधिक स्वस्थ एवं मजबूत नजर आने लगी। संतुलित विकास के कारण उत्पादन बढ़ने की उम्मीद भी मजबूत हुई है साथ ही पारंपरिक उर्वरकों पर होने वाला खर्च कम होने से खेती की लागत में कमी आई और लाभ की संभावना बढ़ी छिद्रकुंवर बताती हैं कि शुरुआत में उन्हें इस बात पर संदेह था कि कम मात्रा में उपयोग होने वाला उर्वरक इतना प्रभावी कैसे हो सकता है लेकिन प्रयोग के बाद उनके सभी संशय दूर हो गए। अब वे स्वयं अन्य किसानों, विशेषकर

महिला कृषकों को वैज्ञानिक खेती अपनाने और नैनो डीएपी के उपयोग के लिए प्रेरित कर रही हैं उनकी सफलता इस बात का प्रमाण है कि कृषि विभाग द्वारा किसानों तक पहुँचाई जा रही आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक सलाह का सही उपयोग खेती को नई दिशा दे सकता है। नई कृषि तकनीकों को अपनाकर किसान उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ लागत कम कर अपनी आय में भी वृद्धि कर सकते हैं आज छिद्रकुंवर अपने क्षेत्र में आधुनिक और टिकाऊ खेती की मिसाल बन चुकी हैं। उनका अनुभव यह संदेश देता है कि बदलते समय के साथ वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाना ही समृद्ध किसान, आत्मनिर्भर कृषि और बेहतर भविष्य की मजबूत आधारशिला है।

## नैनो डीएपी पर बढ़ा किसानों का भरोसा: पहली बार आधुनिक तकनीक अपनाएंगे मोहर सिंह, बेहतर उत्पादन की उम्मीद

**मीडिया ऑडिटर, एमसीबी ( निप्र )।** मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले में आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रति किसानों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। विकासखंड भरतपुर के ग्राम बरौता निवासी किसान मोहर सिंह ने इस खरीफ सीजन में पहली बार अपनी फसल में इफको नैनो डीएपी का उपयोग करने का निर्णय लिया है। कृषि विभाग के मार्गदर्शन और अन्य किसानों के सकारात्मक अनुभवों से प्रेरित होकर उन्होंने वैज्ञानिक कृषि पद्धति अपनाने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम उठाया है



मोहर सिंह ने अपनी खेती के लिए प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति से नैनो डीएपी प्राप्त किया उनका कहना है कि आधुनिक तकनीकों के माध्यम से कम लागत में बेहतर उत्पादन हासिल किया जा सकता है इसी विश्वास के साथ उन्होंने इस वर्ष पारंपरिक उर्वरकों के साथ नई तकनीक को अपनाने का फैसला किया है उन्होंने बताया कि पिछले खरीफ सीजन में उनके गांव और आसपास के कई किसानों ने नैनो डीएपी का उपयोग किया था उन किसानों की फसल में बेहतर बढ़वार, पौधों का

संतुलित विकास और संतोषजनक उत्पादन देखने के बाद उनका भरोसा इस तकनीक पर और मजबूत हुआ दूसरों की सफलता से प्रेरित होकर उन्होंने भी इस बार अपनी फसल में नैनो डीएपी का प्रयोग करने का निर्णय लिया मोहर सिंह ने कहा, ‘मैं पहली बार नैनो डीएपी का उपयोग कर रहा हूँ। पिछले वर्ष गांव के किसानों को इसके अच्छे परिणाम मिले थे उनकी फसल देखकर मुझे विश्वास हुआ कि यह तकनीक खेती के लिए लाभदायक है। मुझे उम्मीद है कि इससे मेरी फसल की बढ़वार बेहतर होगी और उत्पादन में भी वृद्धि होगी उन्होंने नैनो डीएपी

की सबसे बड़ी विशेषता इसके आसान परिवहन को बताया उनके अनुसार जहां पहले पारंपरिक उर्वरकों की भारी बोřियां खेत तक पहुँचाना चुनौतीपूर्ण होता था, वहीं नैनो डीएपी की छोटी बोतल को आसानी से बैग में रखकर खेत तक ले जाया जा सकता है इससे किसानों का समय, श्रम और परिवहन संबंधी खर्च में कमी आती है। मोहर सिंह ने अन्य किसानों से भी कृषि विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में वैज्ञानिक खेती और आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने की अपील की उनका कहना है कि नई तकनीकों का सही उपयोग खेती को अधिक लाभकारी, किफायती और टिकाऊ बना सकता है कृषि विभाग द्वारा जिले में किसानों को नैनो डीएपी, संतुलित उर्वरक प्रबंधन और वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों के संबंध में लगातार प्रशिक्षण एवं तकनीकी मार्गदर्शन दिया जा रहा है विभाग का उद्देश्य आधुनिक तकनीकों के माध्यम से उत्पादन बढ़ाना, खेती की लागत कम करना और किसानों की आय में स्थायी वृद्धि सुनिश्चित करना है मोहर सिंह जैसे किसानों की पहल इस दिशा में सकारात्मक बदलाव का संकेत मानी जा रही है।

## जन्मदिन मनाने जा रहे युवकों पर गैंग का हमला, सरिया-डंडों से की बेरहमी से मारपीट, दबदबा बनाने के लिए वायरल किया वीडियो



**मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी ( निप्र )।** शिवपुरी शहर में गुटबाजी और आपसी रंजिश का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है देहात थाना क्षेत्र में जन्मदिन मनाने जा रहे युवकों पर स्कॉर्पियो सवार चार युवकों ने सरिया और डंडों से हमला कर दिया हमले में कई युवक घायल हो गए। आरोप है कि घटना के बाद हमलावरों ने इलाके में अपना दबदबा कायम करने के

उद्देश्य से मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है पुलिस के अनुसार, पुरानी शिवपुरी के कुशवाह मोहल्ला निवासी 23 वर्षीय अंकित कुशवाह ने कोतवाली थाना में शिकायत दर्ज कराई है। अंकित ने बताया कि 26 जुलाई की शाम करीब 4:45 बजे वह अपने दोस्तों देवेंद्र कुशवाह, दीपेश कुशवाह, योगेश कुशवाह, राहुल कुशवाह और मोहित कुशवाह के साथ अपने मित्र हिमांशु बाथम का जन्मदिन मनाने के लिए उसे लेने पिपरसमा जा रहा था।

**रास्ते में स्कॉर्पियो से पहुंचे आरोपी:** अंकित के मुताबिक, जब सभी युवक गुरुनानक इंटरनेशनल स्कूल के पास पहुंचे, तभी पीछे से बिना नंबर की काले रंग की स्कॉर्पियो आकर रुकी वाहन से देवा रावत, अभि धाकड़, प्रिंस रावत और राजवीर गुर्जर उतरकर आए और पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौज करने लगे जब अंकित ने इसका विरोध किया तो विवाद अचानक हिंसक हो गया आरोप है कि देवा रावत ने काटदार तार लगे डंडे से अंकित के बाएं हाथ पर हमला कर दिया, जिससे उसे गंभीर चोट आई इसके बाद राजवीर गुर्जर ने सरिया से उसके सिर पर वार किया जिससे उसके सिर से खून बहने लगा।

**बीच-बचाव करने आए दोस्तों को भी नहीं छोड़ा:** हमले के दौरान अंकित को बचाने के लिए उसके साथी देवेंद्र, दीपेश और योगेश आगे आए, लेकिन आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट शुरू कर दी इस हमले में देवेंद्र की पीठ पर खरोंच आई, जबकि दीपेश के हाथ और पीठ तथा योगेश के कंधे, पीठ और कोहनी में चोटें आईं।

## भोपाल कूच पर किसानों को पुलिस ने रोका: 40 नेता हिरासत में, रिहाई तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान

**मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम ( निप्र )।** मूंग की शत-प्रतिशत खरीदी और खाद वितरण के लिए ई-टोकन व्यवस्था लागू करने की मांग को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा का आंदोलन सोमवार को निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया नर्मदापुरम के सेठानी घाट से भोपाल के लिए पैदल मार्च पर निकले किसानों को भोपाल के किसान नेताओं ने बैरिकेडिंग कर रोक दिया। इस दौरान प्रशासन और किसान नेताओं के बीच वार्ता का दौर चला, जबकि हिरासत में लिए गए नेताओं की रिहाई की मांग को लेकर किसान मौके पर उठे रहे आंदोलन की अगुवाई कर



रहे किसानों का कहना है कि जब तक हिरासत में लिए गए सभी किसान नेताओं को रिहा नहीं किया जाएगा, तब तक पैदल मार्च आगे नहीं बढ़ेगा शाम को कई घंटे नजरबंद रहने के बाद क्रांतिकारी किसान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष लीलाधर सिंह राजपूत को रिहा कर दिया गया लेकिन उन्होंने

साफ कहा कि सभी साथियों की रिहाई के बाद ही आंदोलन आगे बढ़ाया जाएगा।

**भोपाल चौरोह पर रोका गया पैदल मार्च:** सोमवार दोपहर बड़ी संख्या में किसान सेठानी घाट से नारेबाजी करते हुए भोपाल के लिए पैदल रवाना हुए थे आंदोलन से पहले ही किसान नेताओं ने

घोषणा की थी कि यदि रास्ते में बैरिकेडिंग की गई तो वे उसे पार कर आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे। हालांकि भोपाल चौरोह पर भारी पुलिस बल की मौजूदगी और बैरिकेडिंग के कारण मार्च रोक दिया गया मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा प्रशासनिक अधिकारियों ने किसानों से बातचीत कर स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन ने बताया कि कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक स्वयं किसान नेता लीलाधर सिंह राजपूत को लेकर मौके पर पहुंचे और किसानों से चर्चा की।

## कारगिल विजय दिवस पर पूर्व सैनिकों का सम्मान: पिपरिया में शहीदों को श्रद्धांजलि, वीर जवानों के शौर्य को किया नमन



**मीडिया ऑडिटर,पिपरिया ( निप्र )।** कारगिल विजय दिवस के अवसर पर पिपरिया के सुभाष चौक में आयोजित समारोह में कारगिल युद्ध में शामिल रहे पूर्व सैनिकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पूर्व सैनिक संगठन पिपरिया, बनखेड़ी और पचमढ़ी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर देश के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह में विधायक ठाकुर दास नागवंशी और नगरपालिका अध्यक्ष नीना नवनीत नागपाल ने शहीदों को पुष्पचक्र अर्पित कर नमन किया। कार्यक्रम के दौरान भारत माता के जयघोष से वातावरण देशभक्ति के रंग में रंग गया पूर्व सैनिक संगठन के पदाधिकारियों ने कारगिल युद्ध में भारतीय सेना के अदम्य साहस, वीरता और बलिदान को याद करते हुए कहा कि देश की रक्षा में जवानों का योगदान सदैव प्रेरणादायी रहेगा इस अवसर पर कारगिल युद्ध में भाग लेने वाले क्षेत्र के पूर्व सैनिकों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने शहीदों के सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए समर्पित रहने का संकल्प भी लिया।

## कानून की जानकारी ही सबसे बड़ी सुरक्षा, स्वामी आत्मानंद विद्यालय में विधिक साक्षरता शिविर, विद्यार्थियों को मिले साइबर सुरक्षा और कानूनी अधिकारों के गुर

**मीडिया ऑडिटर, एमसीबी ( निप्र )।** विद्यार्थियों में कानूनी जागरूकता बढ़ाने और उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से सोमवार को मनेन्द्रगढ़ स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छात्रों, शिक्षकों और उपस्थित नागरिकों को संवैधानिक अधिकारों, साइबर सुरक्षा, सड़क सुरक्षा, पॉक्सो अधिनियम, नशा मुक्ति अभियान और नि:शुल्क विधिक सहायता जैसी महत्वपूर्ण जानकारीयें दी गई कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक जानकारी विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने सरल और व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से समाधान किया।



शिविर को संबोधित करते हुए तालुका विधिक सेवा समिति, मनेन्द्रगढ़ के अध्यक्ष यशवंत वासनिकर एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी राकेश सिंह सोनी ने कहा कि कानून केवल न्यायालयों तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक के दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा है उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों के

प्रति भी सजग रहना आवश्यक है जागरूक नागरिक ही सुरक्षित, जिम्मेदार और न्यायपूर्ण समाज की मजबूत नींव रखते हैं।

**साइबर अपराधों से सतर्क रहने की सलाह:** डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा पर दी जानकारी कार्यक्रम में अधिकार मित्र अजय विश्वकर्मा (थाना मनेन्द्रगढ़) एवं

अंजनी यादव (थाना झगराखंड) ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी उन्होंने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद नागरिकों को नि:शुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाती है ताकि कोई भी व्यक्ति आर्थिक अभाव के कारण न्याय से वंचित न रहे विद्यार्थियों को नि:शुल्क विधिक सहायता हेल्पलाइन 15100 के बारे में भी जानकारी दी गई शिविर में सड़क सुरक्षा को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई विद्यार्थियों को यातायात नियमों का पालन करने, पेपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, सड़क सुरक्षा पर दी जानकारी कार्यक्रम में अधिकार मित्र अजय विश्वकर्मा (थाना मनेन्द्रगढ़) एवं

अंजनी यादव (थाना झगराखंड) ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी उन्होंने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद नागरिकों को नि:शुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाती है ताकि कोई भी व्यक्ति आर्थिक अभाव के कारण न्याय से वंचित न रहे विद्यार्थियों को नि:शुल्क विधिक सहायता हेल्पलाइन 15100 के बारे में भी जानकारी दी गई शिविर में सड़क सुरक्षा को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई विद्यार्थियों को यातायात नियमों का पालन करने, पेपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, सड़क सुरक्षा पर दी जानकारी कार्यक्रम में अधिकार मित्र अजय विश्वकर्मा (थाना मनेन्द्रगढ़) एवं

अंजनी यादव (थाना झगराखंड) ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी उन्होंने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद नागरिकों को नि:शुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाती है ताकि कोई भी व्यक्ति आर्थिक अभाव के कारण न्याय से वंचित न रहे विद्यार्थियों को नि:शुल्क विधिक सहायता हेल्पलाइन 15100 के बारे में भी जानकारी दी गई शिविर में सड़क सुरक्षा को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई विद्यार्थियों को यातायात नियमों का पालन करने, पेपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, सड़क सुरक्षा पर दी जानकारी कार्यक्रम में अधिकार मित्र अजय विश्वकर्मा (थाना मनेन्द्रगढ़) एवं



डंडे उखाड़ दिए ! अशोक शर्मा ने लहराया पहला इंटरनेशनल विकेट

# हवा में घूमता रह गया स्टंप

हरारे ,एजेसी। भारत और जिम्बाब्वे के बीच खेली गई तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज में युवा ब्रिगेड ने मेजबानों का 3-0 से सुपड़ा साफ कर दिया। इस सीरीज के दौरान भारत के तेज गेंदबाज अशोक शर्मा को अपना इंटरनेशनल डेब्यू करने का मौका मिला। हालांकि, अपने डेब्यू मैच में वे बिना कोई विकेट लिए खाली हाथ रहे थे, लेकिन तीसरे टी-20 में मिले मौके को उन्होंने दोनों हाथों से धुनाया और एक ऐसा यादगार विकेट चटकाया जिसे वे पूरे जीवन नहीं भूल पाएंगे।

## 17वें ओवर में आई ‘मैजिकल बॉल’, उड़ गया ऑफ स्टंप

जिम्बाब्वे की पारी के 17वें ओवर में कप्तान ने गेंद अशोक शर्मा के हाथों में थमाई। सीरीज के



दौरान उनकी गेंदों पर कुछ कैच भी छूटे थे, ऐसे में वे इस बार बल्लेबाज को कोई मौका देने के मूड में नहीं थे।

17वें ओवर की पहली ही गेंद पर अशोक ने अपनी खौफनाक रफ्तार का जलवा दिखाया। अशोक शर्मा ने अराउंड द विकेट आकर ऑफ स्टंप के बाहर एक फुल लेंथ गेंद फेंकी। गेंद जैसे ही

## का खास सेलिब्रेशन

गेंद इतनी तेज और घातक थी कि ऑफ स्टंप उछड़कर हवा में चार बार घूमता हुआ पीछे जा गिरा। किसी भी तेज गेंदबाज के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में अपना पहला विकेट इस अंदाज में पाना एक सपने के सच होने जैसा होता है।

इस ड्रीम डिलीवरी के साथ ही अशोक शर्मा ने इंटरनेशनल क्रिकेट में अपना पहला विकेट का खाता खोला, जिसका वीडियो और पल सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। फैनकोड ने अपने सोशल मीडिया पर इसका वीडियो शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि विकेट लेने के बाद अशोक शर्मा अपने दोनों हाथ जोड़कर आसमान की ओर नमन कर रहे हैं। मानो वह इस विकेट के लिए भगवान का धन्यवाद कर रहे हों।

## स्टंप्स ने लगाई हवा में छलांग, फिर अशोक शर्मा

## हमें प्रेरित करने के लिए धन्यवाद, जानें अस्थिर ने जिम्बाब्वे सीरीज जीतने के बाद किसका आभार जताया

हरारे ,एजेसी। भारत के टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर और अंतरिम मुख्य कोच वीवीएस लक्ष्मण ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 3-0 से मिली जीत में एक-दूसरे की भूमिका की सराहना की। भारत ने इस श्रृंखला में अपेक्षाकृत नयी टीम उतारी थी जिसमें संजू सैमसन, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा जैसे कई खिलाड़ी शामिल नहीं थे। भारत ने रविवार को तीसरे और अंतिम टी20 मैच में 35 रन की जीत के साथ श्रृंखला में क्लीन स्वीप किया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड



(BCCI) ने ड्रेसिंग रूम का एक वीडियो साझा किया है जिसमें लक्ष्मण ने अय्यर की मजबूत मानसिकता की सराहना की है। लक्ष्मण ने इस महीने की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ 0-4 की हार का जिक्र करते हुए कहा, 'मैं श्रेयस को विशेष रूप से बधाई देना चाहता हूँ क्योंकि उनके कप्तानी करियर की शुरुआत थोड़ी मुश्किल रही, लेकिन जिस तरह से उन्होंने वापसी की, वह शानदार था। वह पहले मैच से एक दिन पहले जब हमसे जुड़े और तभी से जीत के लिए आश्वस्त थे।' उन्होंने कहा,

‘इस टीम में कई नए खिलाड़ी शामिल थे। हम जानते हैं कि इंग्लैंड में खेलने वाले खिलाड़ियों में से केवल चार या पांच ही इस दौर पर हमारे साथ शामिल थे। लेकिन वह आत्मविश्वास से भरे हुए थे। जिस तरह से कप्तान ने आप सभी को प्रेरित किया उसे देखते हुए इस जीत का बहुत सारा श्रेय कप्तान को जाता है।' अय्यर ने लक्ष्मण का आभार व्यक्त किया जिन्हें मुख्य कोच गौतम गंभीर को विश्राम दिए जाने के बाद इस दौर के लिए अंतरिम कोच नियुक्त किया गया था। अय्यर ने कहा, ‘इस

श्रृंखला में कुछ कैच छोड़ने के अलावा हमारा प्रदर्शन बेदाग रहा। सहयोगी स्टाफ सहित टीम के हर सदस्य ने अपना योगदान दिया।' उन्होंने कहा, ‘हमें प्रेरित करने और हमारा हौसला बढ़ाने के लिए वीवीएस सर आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। हर दिन जब हम मैदान पर कदम रखते थे, तो मुझे लगता था कि आपने जो कुछ भी कहा वह बिल्कुल सही था और हम उससे जुड़ाव महसूस कर सकते थे। इसलिए आपका बहुत-बहुत आभार।’

## हार्दिक पंड्या की फिटनेस पर बड़ा अपडेट

### इस सीरीज से वापसी लगभग तय



नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या अब पूरी तरह फिट हो चुके हैं और आगामी सीमित ओवरों की सीरीज के लिए चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (छथ्रथ) में अपना रिटर्न-टू-प्ले प्रोटोकॉल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। ऐसे में सितंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली वनडे और टी20 सीरीज में उनकी वापसी की पूरी संभावना है।

## चोट के कारण लंबे समय से थे बाहर

आईपीएल 2026 के बाद हार्दिक पंड्या पीठ में ऐंठन और बाद में जांच की मांसपेशी (हैमस्ट्रिंग) में हल्की चोट के कारण मैदान से दूर हो गए थे। इसी वजह से वह अफगानिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज का हिस्सा नहीं बन सके। उनकी गैरमौजूदगी में टीम इंडिया को ऑलराउंड विभाग में संतुलन बनाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। रिपोर्ट्स के अनुसार हार्दिक ने अब पूरी फिटनेस हासिल कर ली है और मेडिकल टीम की निगरानी में सभी जरूरी टेस्ट भी सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। बीसीसीआई का रिटर्न-टू-प्ले प्रोटोकॉल पूरा करने के बाद अब उनके चयन का रास्ता लगभग साफ माना जा रहा है।

- सीरीज में हो सकती है वापसी- भारत को फिलहाल 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इसके बाद सितंबर में वेस्टइंडीज की टीम भारत दौरे पर आएगी। दोनों देशों के बीच पहले तीन मैचों की वनडे सीरीज और फिर पांच टी20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी। हार्दिक के टेस्ट टीम में शामिल होने की संभावना नहीं है, लेकिन वनडे और टी20 टीम में उनकी वापसी लगभग तय मानी जा रही है। चयनकर्ता भी आगामी बड़े टूर्नामेंटों को ध्यान में रखते हुए उन्हें नियमित क्रिकेट में वापसी का मौका देना चाहेंगे।
- टीम इंडिया के लिए वयों हैं बेहद अहम-हार्दिक पंड्या भारत के सबसे प्रभावशाली ऑलराउंडरों में गिने जाते हैं। वह तेज गेंदबाजी के साथ मध्यक्रम में विस्फोटक बल्लेबाजी करने की क्षमता रखते हैं, जिससे टीम का संतुलन मजबूत होता है।

## भारत को बड़ा झटका

### राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी गुरिंदरवीर सिंह का 100 मीटर हीट में सफर समाप्त

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत की सबसे बड़ी एथलेटिक्स पदक उम्मीदों में शामिल गुरिंदरवीर सिंह पुरुषों की 100 मीटर स्पर्धा के शुरुआती हीट से आगे नहीं बढ़ सके। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी भारतीय धावक सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे, जिससे भारत की एथलेटिक्स में पदक की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। गुरिंदरवीर ने

मई 2026 में रांची में आयोजित फेडरेशन कप में 10.09 सेकंड का समय निकालकर इतिहास रचा था। वह 10.10 सेकंड से कम समय में 100 मीटर दौड़ने वाले पहले भारतीय पुरुष धावक बने थे। इस प्रदर्शन के बाद उनसे राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन की उम्मीदें थीं, लेकिन अपने पहले कॉमनवेल्थ गेम्स में वह उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके। 10.39 सेकंड का समय

भी नहीं दिला सका सेमीफाइनल का टिकट 100 मीटर हीट में गुरिंदरवीर सिंह ने 10.39 सेकंड का समय निकाला। हालांकि यह प्रदर्शन सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए पर्याप्त नहीं रहा। सभी 11 हीट समाप्त होने के बाद गुरिंदरवीर 73 धावकों में 28वें स्थान पर रहे। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए शीर्ष 17 धावकों को जगह मिली। रिपोर्ट के अनुसार यदि गुरिंदरवीर 10.24 सेकंड का



### हली ही गेंद पर झटका विकेट, मयंक यादव ने की भुवनेश्वर कुमार के खास रिकॉर्ड की बराबरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाज मयंक यादव ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में शानदार वापसी का सिलसिला जारी रखते हुए पहली ही गेंद पर विकेट लेकर बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए मुकाबले में मयंक ने जिम्बाब्वे के सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट को पहली गेंद पर आउट कर भारत को बेहतरीन शुरुआत दिलाई। इस विकेट के साथ उन्होंने भारत के पूर्व तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार के एक खास टी20 अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। पहली गेंद पर विकेट लेकर बनाया खास रिकॉर्ड 193 रन के लक्ष्य का बचाव कर रही भारतीय टीम को पहले ही ओवर में सफलता दिलाते हुए मयंक यादव ने अपनी पहली गेंद पर ब्रायन बेनेट को चलाता किया। यह तीसरी बार है जब मयंक ने किसी टी20 अंतरराष्ट्रीय पारी की पहली गेंद पर विकेट हासिल किया।इसके साथ ही वह भुवनेश्वर कुमार के बाद दूसरे भारतीय गेंदबाज बन गए हैं।

- भुवनेश्वर कुमार - 3 बार
- मयंक यादव - 3 बार
- हार्दिक पंड्या - 2 बार
- अर्शदीप सिंह - 2 बार
- रविचंद्र अश्विन - 1 बार

### दो साल बाद वापसी में लगातार शानदार प्रदर्शन

24 वर्षीय मयंक यादव लगभग दो साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। चोटों के कारण लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रहने के बाद उन्होंने जिम्बाब्वे दौर पर वापसी की और अपनी रफ्तार से एक बार फिर सभी को प्रभावित किया।

### ‘मैंने बहुत त्याग किया...’

## मीराबाई चानू का कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड की हैट्रिक के बाद पहला बयान आया सामने



शानदार है, जिसमें ओलंपिक सिल्वर मेडल और वर्ल्ड चैंपियनशिप का खिताब शामिल है। उनकी जीत ने ग्लासगो 2026 में वेतलिप्टिंग में भारत की मजबूत शुरुआत को भी जारी रखा। इससे पहले दिन में चनंभ रघुपति सिंह ने पुरुषों के 60चद् इवेंट में सिल्वर मेडल जीता था, जबकि बाद में राजा मुथुपांडी ने पुरुषों के 65चद् कैटेगरी में एक और सिल्वर मेडल अपने नाम किया। चानू की सफलता ने यह सुनिश्चित किया कि गेम्स में पहली बार भारत का राष्ट्रवाज बजाया जाए। इससे देश के अभियान को काफी बढ़ावा मिला, क्योंकि ग्लासगो में अभी और भी मेडल इवेंट्स होने बाकी हैं।

मजबूत की। क्लीन एंड जर्क में चानू 82चद् के अपने पहले प्रयास में लड़खड़ा गई, लेकिन उन्होंने तुरंत वापसी की। उन्होंने दूसरे प्रयास में वजन उठाया और फिर तीसरे प्रयास में 85चद् वजन उठाकर नया कॉमनवेल्थ गेम्स और कॉमनवेल्थ रिकॉर्ड बनाया। इसके बाद उन्होंने 105चद् वजन उठाकर अपना शानदार प्रदर्शन पूरा किया और दमदार अंदाज में गोल्ड मेडल जीता। इसके साथ ही वह लगातार तीन कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली कुछ चुनिंदा भारतीय एथलीटों में शामिल हो गईं। यह जीत चानू के शानदार करियर में एक और अहम उपलब्धि थी। उनकी कारनामियों की लिस्ट पहले से ही बहुत

### वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने ग्लासगो में लहराया तिरंगा, कॉमनवेल्थ गेम्स में लगाई गोल्डन हैट्रिक

ग्लासगो,एजेंसी। ओलंपिक मेडलिस्ट मीराबाई चानू ने रविवार को ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय वेटलिप्टिंग के इतिहास में एक और सुनहरा अध्याय लिखा। चानू ने महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग का खिताब जीतकर कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल की हैट्रिक पूरी कर ली। इसी के साथ उन्होंने गेम्स और कॉमनवेल्थ स्नेच रिकॉर्ड भी तोड़े। नाइजीरिया की सिल्वर मेडलिस्ट रुथ असुकुओ न्योग कुल्ले 168 किग्रा वजन (75 स्नेच और 93 क्लीन एंड जर्क) उठाकर दूसरे स्थान पर रहीं, जो मीराबाई के विजयी प्रदर्शन से पूरे 22 किग्रा कम था। मलेशिया की आइरीन हेनरी ने कुल 167 किग्रा (77 स्नेच और 90 क्लीन एंड जर्क) ब्रांज मेडल हासिल किया। मीराबाई चानू ने 2014 ग्लासगो में सिल्वर मेडल हासिल किया था। इसके बाद 2018 गोल्ड कोस्ट, 2022 बर्मिंघम और 2026 ग्लासगो में गोल्ड मेडल अपने नाम किए। ग्लासगो गेम्स में भारत की पहली गोल्ड मेडलिस्ट मीराबाई ने मुश्किल शुरुआत से उबरते हुए शानदार प्रदर्शन किया; हालांकि वह 82 किग्रा स्नेच के अपने पहले प्रयास में असफल रही, लेकिन टोकवो ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट ने दूसरे प्रयास में वह वजन उठा लिया और फिर अपने आखिरी प्रयास में बार का वजन बढ़ाकर 85 किग्रा कर दिया।

## SPL भारत कप 2027 का ऐलान, Tvw फॉर्मेट, ऑक्शन सिस्टम और 31 लाख रुपये की प्राइज मनी के साथ होगा आयोजन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय युवाओं को क्रिकेट के माध्यम से बेहतर अवसर देने, चरित्र निर्माण, अनुशासन, राष्ट्र निर्माण और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के उद्देश्य से शुरू किए गए स्क्रू क्रिकेट टूर्नामेंट का दूसरा संस्करण अब नए नाम और नए स्वरूप के साथ आयोजित किया जाएगा। 27 जुलाई 2026 को जयपुर स्थित कस्टीट्यूशनल क्लब ऑफ राजस्थान में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान फाउंडर विजय शर्मा ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की कि अब यह आयोजन 'स्क्रू भारत कप' के नाम से आयोजित होगा। मार्च 2026 में सफलतापूर्वक संपन्न हुए पहले संस्करण के बाद अब इसका दूसरा संस्करण फरवरी और मार्च 2027 में खेला जाएगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि इस बार केवल नाम ही नहीं बदला गया है, बल्कि पूरे आयोजन को अधिक पेशेवर, पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए कई बड़े बदलाव किए गए हैं। इनमें 31 फॉर्मेट, सिंथेटिक लेदर बॉल, नई चयन प्रक्रिया, खिलाड़ियों का ऑक्शन और बढ़ी हुई पुरस्कार राशि प्रमुख हैं। आयोजकों का कहना है कि SPL भारत कप का उद्देश्य केवल क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित करना नहीं, बल्कि देशभर के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को ऐसा मंच उपलब्ध कराना है, जहां वे अपनी प्रतिभा के दम पर अग्रे बढ़ सकें और भविष्य में भारतीय क्रिकेट का



प्रतिनिधित्व करने का सपना साकार कर सकें। जयपुर में हुआ स्क्रू भारत कप 2027 का आधिकारिक ऐलान जयपुर के कस्टीट्यूशनल क्लब ऑफ राजस्थान में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में SPL भारत कप 2027 के दूसरे संस्करण की औपचारिक घोषणा की गई। इस अवसर पर टूर्नामेंट के नए नाम, 31 फ्रांस्, सिंथेटिक लेदर बॉल, नई चयन प्रक्रिया, खिलाड़ियों की कैटेगरी, ऑक्शन सिस्टम और आकर्षक पुरस्कार राशि की जानकारी साझा की गई। इस दौरान फाउंडर विजय शर्मा, कमिश्नर और 1983 वर्ल्ड कप विजेता मदन लाल, चीफ

एडवाइजर सुमेद्र तिवारी तिवारी, स्ट्रैटेजिक सके। जयपुर में हुआ स्क्रू भारत कप 2027 का आधिकारिक ऐलान जयपुर के कस्टीट्यूशनल क्लब ऑफ राजस्थान में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में SPL भारत कप 2027 के दूसरे संस्करण की औपचारिक घोषणा की गई। इस अवसर पर टूर्नामेंट के नए नाम, 31 फ्रांस्, सिंथेटिक लेदर बॉल, नई चयन प्रक्रिया, खिलाड़ियों की कैटेगरी, ऑक्शन सिस्टम और आकर्षक पुरस्कार राशि की जानकारी साझा की गई। इस दौरान फाउंडर विजय शर्मा, कमिश्नर और 1983 वर्ल्ड कप विजेता मदन लाल, चीफ

## मल्लिचंग तकनीक ने बदली किसान राजेन्द्र की तकदीर उद्यानिकी विभाग की सलाह और शासकीय सहायता से भिर्च की खेती से कमाए 6 लाख रूपए



**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।** बीजापुर जिले के उमरू विकासखंड के ग्राम पुतकेल निवासी किसान एरंगोला राजेन्द्र ने उद्यानिकी विभाग की तकनीकी सलाह और शासकीय योजना का लाभ लेकर खेती को लाभ का जरिया बना लिया है। आधुनिक तकनीक अपनाकर उन्होंने मिर्च की खेती से लगभग 6 लाख रुपये की आय अर्जित की है। धान के बाद खाली रहती थी जमीन किसान राजेन्द्र पहले मुख्य रूप से धान की खेती करते थे। धान की खेती के बाद उनकी शेष भूमि खाली रह जाती थी। आय बढ़ाने के उद्देश्य से उन्होंने उद्यानिकी विभाग से संपर्क किया और मिर्च की खेती के साथ-साथ विभागीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। शुरुआत में मिर्च की खेती में लागत अधिक और लाभ कम होने के कारण उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इसी दौरान उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने उन्हें खेती में मल्लिचंग तकनीक अपनाने की सलाह दी। शासकीय योजना से मिली आर्थिक सहायता किसान को राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के अंतर्गत 32,000 रूपए की अनुदान राशि प्रदान की गई। इस सहायता से उन्होंने मल्लिचंग शीट का उपयोग कर मिर्च की खेती शुरू की। मल्लिचंग तकनीक अपनाने से खेत में खरपतवार नियंत्रण, नमी संरक्षण और फसल की गुणवत्ता में सुधार हुआ। इसका सकारात्मक प्रभाव उत्पादन पर भी पड़ा। 30 क्विंटल मिर्च उत्पादन से 6 लाख रुपये की आय वर्ष 2026 में किसान एरंगोला राजेन्द्र को लगभग 30 क्विंटल मिर्च का उत्पादन प्राप्त हुआ। इससे उन्हें करीब 6 लाख रुपये की आय हुई। बेहतर उत्पादन और आय से किसान का खेती के प्रति विश्वास और उत्साह बढ़ा है। किसान राजेन्द्र बताते हैं कि उद्यानिकी विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन और शासकीय सहायता से उनकी खेती अधिक लाभकारी बनी है। उन्होंने कहा कि आधुनिक कृषि तकनीक और शासकीय योजनाओं का लाभ लेकर किसान अपनी आय बढ़ा सकते हैं। किसान राजेन्द्र की सफलता यह साबित करती है कि सही तकनीक, विभागीय मार्गदर्शन और शासकीय योजनाओं का लाभ लेकर किसान पारंपरिक खेती के साथ-साथ उद्यानिकी फसलों को अपनाकर अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं।

## नेटवर्क आया, विकास की नई राह खुली मोबाइल टॉवर से बीजापुर के दूरस्थ ग्राम मंडेम में डिजिटल कनेक्टिविटी का विस्तार

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।** बीजापुर जिले के भैरमगढ़ विकासखंड का दूरस्थ ग्राम मंडेम अब डिजिटल कनेक्टिविटी की मुखाधुरा से जुड़ गया है। ग्राम पंचायत मंडेम में नए मोबाइल नेटवर्क टॉवर का संचालन शुरू होने से गांव और आसपास के क्षेत्र में संचार व्यवस्था मजबूत हुई है। लंबे समय से नेटवर्क की समस्या का सामना कर रहे ग्रामीणों के लिए यह सुविधा किसी बड़ी सींगत से कम नहीं है। जिला मुख्यालय बीजापुर से लगभग 60 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत मंडेम का कुल क्षेत्रफल लगभग 2,168 हेक्टेयर है। पहले मोबाइल नेटवर्क की सुविधा सीमित होने के कारण ग्रामीणों को फोन पर बातचीत करने, इंटरनेट का उपयोग करने और ऑनलाइन सेवाओं का लाभ लेने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब मोबाइल टॉवर शुरू होने से ग्रामीणों को इन समस्याओं से राहत मिली है। पढ़ाई से लेकर डिजिटल बैंकिंग तक आसान हुई सुविधाएं मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट की बेहतर सुविधा से ग्रामीण अब मोबाइल कॉल, वीडियो कॉल, ऑनलाइन पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, डिजिटल बैंकिंग और यूपीआई भुगतान जैसी सुविधाओं का आसानी से उपयोग कर सकते। विद्यार्थियों और युवाओं के लिए ऑनलाइन शिक्षा और रोजगार से जुड़ी जानकारी तक पहुंच आसान होगी। किसानों और आम नागरिकों को भी सरकारी योजनाओं, ऑनलाइन आवेदन, डिजिटल दस्तावेजों और अन्य ई-गवर्नेंस सेवाओं का लाभ लेने में सुविधा होगी। स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में टेलीमैडिसिन जैसी सुविधाओं का उपयोग भी अब अधिक सुगमता से किया जा सकेगा। शासन की डिजिटल सेवाओं से ग्रामीणों का जुड़ाव दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में डिजिटल कनेक्टिविटी बढ़ाना शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। मोबाइल नेटवर्क की सुविधा से मंडेम के ग्रामीण शासन की विभिन्न ऑनलाइन सेवाओं और डिजिटल योजनाओं से बेहतर तरीके से जुड़ सकेगे। आपातकालीन परिस्थितियों में संपर्क स्थापित करना भी अब पहले की तुलना में आसान होगा। ग्रामीणों में खुशी, विकास के नए अवसरों की उम्मीद मोबाइल टॉवर के संचालन से मंडेम और आसपास के ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि बेहतर नेटवर्क की सुविधा की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जा रही थी। अब वे अपने परिजनों से आसानी से संपर्क कर सकेगे और शिक्षा, रोजगार तथा विकास से जुड़े नए अवसरों से भी जुड़ सकेगे। ग्राम मंडेम में शुरू हुई मोबाइल कनेक्टिविटी केवल संचार सुविधा का विस्तार नहीं है, बल्कि यह डिजिटल समावेशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुविधा दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, ई-गवर्नेंस और रोजगार के अवसरों तक पहुंच बढ़ाने में मदद करेगी। मंडेम में मोबाइल नेटवर्क की शुरुआत इस बात का उदाहरण है कि डिजिटल कनेक्टिविटी किस तरह दूरस्थ गांवों के विकास और ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकती है।

## मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशा के अनुरूप वनांचल के पंडो बच्चों तक पहुंची शिक्षा, जिला प्रशासन ने गांव में ही की विशेष व्यवस्था

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के अंतिम छोर तक शिक्षा, पोषण और मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के संकल्प को लगातार साकार कर रही है। इसी संवेदनशील सोच के अनुरूप गौल्ला विकासखंड की ग्राम पंचायत पुटा के आश्रित वनांचल बसाहट सांकरखुटरा में विशेष पिछड़ी पंडो जनजाति के बच्चों की शिक्षा प्रभावित होने की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन ने तत्काल प्रभावी कदम उठाए हैं। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. के निर्देश पर बच्चों के लिए गांव में ही अध्ययन और मध्याह्न भोजन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कर दी गई है, जिससे अब दूरगम मार्ग और बरसात जैसी परिस्थितियां उनकी शिक्षा में बाधा नहीं बनेंगी। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने मामले को गंभीरता से लेते हुए शिक्षा विभाग को तत्काल आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उनके निर्देशानुसार शासकीय प्राथमिक शाला पुटा के सहायक शिक्षक श्री चंद्रभान सिंह डड्डे एवं सहायक शिक्षक श्री रणवीर सिंह बैगा की इयूटी रोस्टर के आधार पर सांकरखुटरा में लगाई गई है।

# सपनों को मिला कलेक्टर का साथ, द कलेक्टर्स-15 से शुरू हुई बदलाव की नई इबारत

**पहली बार मेधावी विद्यार्थियों के लिए खुले कोरिया कलेक्टर निवास के द्वार 15 प्रतिभाशाली छात्रों ने कलेक्टर के साथ साझा किए अपने सपने, मिला सफलता का नया मंत्र**

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।** कोरिया जिले में शिक्षा और युवा प्रतिभाओं को नई दिशा देने की अनूठी पहल करते हुए कोरिया कलेक्टर श्रीमती रोजिता यादव ने 25 जुलाई को जिले के मेधावी विद्यार्थियों के लिए द कलेक्टर्स-15 कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यह पहल केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों को पहचानने, संवारने और उन्हें साकार करने की दिशा में उठाया गया एक प्रेरणादायी कदम है। इस पहल की सबसे खास बात यह रही कि इतिहास में पहली बार कोरिया कलेक्टर निवास के द्वार विद्यार्थियों के लिए खोले गए, जहां सरकारी औपचारिकताओं की जगह आत्मीयता, विश्वास और प्रेरणा का वातावरण देखने को मिला। आकांक्षी विकासखंड बैकुंठपुर के सहयोग से



जिले के 15 मेधावी छात्र-छात्राओं ने कलेक्टर श्रीमती रोजिता यादव के साथ आत्मीय संवाद करते हुए अपने करियर लक्ष्य, संघर्ष, जिज्ञासाएं और भविष्य की योजनाएं साझा कीं। चुनौतियों को अपनी ताकत बनाएं - कलेक्टर रोजिता यादव

हर सपना खास होता है और उसे सही मार्गदर्शन, मेहनत व आत्मविश्वास की जरूरत होती है। सपने वही पूरे करते हैं, जो चुनौतियों से घबराते नहीं, बल्कि उन्हें अपनी ताकत बना लेते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को बड़ी सोच रखने, निरंतर सीखते रहने, अनुशासन को जीवन का आधार बनाने और समाज के प्रति संवेदनशील नागरिक बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल परीक्षा में अंक लाना नहीं, बल्कि जीवन में नेतृत्व क्षमता, सकारात्मक सोच और निर्णय लेने का साहस विकसित करना है। प्रशासनिक सेवाओं और करियर गाइडेंस पर हुई चर्चा संवाद के दौरान छात्र-छात्राओं ने प्रशासनिक सेवाओं, उच्च शिक्षा, तकनीकी क्षेत्र, नवाचार, समय प्रबंधन और व्यक्तित्व विकास से जुड़े

अनेक सवाल पूछे। कलेक्टर ने अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा करते हुए विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित करने, निरंतर प्रयास करने और असफलताओं से सीख लेकर आगे बढ़ने का संदेश दिया। कक्षा की चारदीवारी से बाहर शिक्षा का अभिनव प्रयास द कलेक्टर्स-15 पहल शिक्षा को केवल कक्षा की चारदीवारी तक सीमित न रखकर वास्तविक जीवन के अनुभवों से जोड़ने का एक नवाचार है। इसका मुख्य उद्देश्य प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रशासन से सीधे जोड़ना, उनके सपनों को नई उड़ान देना, और उनमें नेतृत्व व सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना है। तो वे न केवल व्यक्तिगत सफलता हासिल करेंगे, बल्कि समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव भी रखेंगे।

## छू लो आसमान के सफल विद्यार्थियों का वन मंत्री केदार कश्यप ने किया सम्मान

**नीट में सफलता हासिल करने वाले विद्यार्थियों को दी शुभकामनाएं, आगे की पढ़ाई में हर्षांभव सहयोग का भरोसा**

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।** वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा दत्तेवाड़ा जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप ने रविवार को छू लो आसमान आवासीय शैक्षणिक संस्थान, कारली में नीट परीक्षा में सफल विद्यार्थियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने सफल विद्यार्थियों को गुलदस्ता, पुष्पमाला और टैबलेट प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। वन मंत्री श्री कश्यप ने विद्यार्थियों की सफलता की सराहना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनकी मेहनत, लगन और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों को भरोसा दिलाया कि आगे की पढ़ाई में उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी। शासन की ओर से



उन्हें हर्षांभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने संस्था में अध्ययनरत कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों से नीट में सफल विद्यार्थियों से प्रेरणा लेने और अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी लगन एवं मेहनत से पढ़ाई करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि दृढ़ संकल्प और निरंतर मेहनत से

कठिन से कठिन लक्ष्य भी हासिल किया जा सकता है। छू लो आसमान' योजना से विद्यार्थियों को मिल रहा बेहतर अवसर दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित 'छू लो आसमान' पहल

विद्यार्थियों के सपनों को नई उड़ान दे रही है। इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों को आवासीय सुविधा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आवश्यक मार्गदर्शन मिल रहा है। कारली के विद्यार्थियों की नीट में सफलता इस बात का प्रमाण है कि उचित मार्गदर्शन, मेहनत और शासन की सुविधाओं से वनांचल क्षेत्र के विद्यार्थी भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल कर सकते हैं। कार्यक्रम में विधायक श्री चैतराम अटामी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नंदलाल मुड़ामी, श्री यशवंत जैन, श्री टेकेश्वर जैन, श्री संतोष गुप्ता, श्री दीपेश अरोरा, श्री मुकेश शर्मा, श्री सत्यजीत चौहान, श्री जय भंसाली, श्री कुलदीप ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

## घर-घर पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम, कोर्फा के ग्रामीणों को मिला स्वास्थ्य सुरक्षा का भरोसा

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।** सुकमा जिले के दूरस्थ ग्राम पंचायत कोर्फा में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने घर-घर पहुंचकर ग्रामीणों को शासकीय स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ प्रदान किया और आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाया। इस दौरान पात्र ग्रामीणों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आयुष्मान योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। वहीं बुजुर्गों को स्वास्थ्य विभाग की टीम केवल शिविर तक सीमित नहीं रही। टीम ने गांव में घर-घर जाकर पात्र हितग्राहियों का सत्यापन किया और आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाया। इस दौरान पात्र ग्रामीणों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आयुष्मान योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। वहीं बुजुर्गों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से 14 वय वंदन कार्ड भी बनाए गए।



कि स्वास्थ्य विभाग की टीम केवल शिविर तक सीमित नहीं रही। टीम ने गांव में घर-घर जाकर पात्र हितग्राहियों का सत्यापन किया और आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाया। इस दौरान पात्र ग्रामीणों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आयुष्मान योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। वहीं बुजुर्गों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से 14 वय वंदन कार्ड भी बनाए गए।

ग्रामीणों को मिला स्वास्थ्य सुरक्षा का भरोसा आयुष्मान कार्ड मिलने से पात्र परिवारों को योजना के तहत उपचार संबंधी सुविधाओं का लाभ लेने में आसानी होगी। वहीं वय वंदन कार्ड बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा का महत्वपूर्ण माध्यम है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और मैदान अमले ने ग्रामीणों को दोनों योजनाओं के लाभ और उपयोग की जानकारी भी दी। प्रशासन की संवेदनशील पहल से अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा लाभ दूरस्थ और दूरगम क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, मितानिनों और स्वास्थ्य विभाग के मैदान अमले ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके सहयोग से पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें मौके पर ही योजनाओं से जोड़ा गया।

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।** कैबिनेट मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने रविवार को बुधवारी जैन मंदिर परिसर स्थित जैन स्वाध्याय भवन जीर्णोद्धार कार्य का फीता काटकर लोकार्पण किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर श्रीमती संजु देवी राजपूत ने किया। कार्यक्रम अवसर पर सर्वप्रथम मंत्री श्री देवांगन ने समाज के गणमान्य जनों के साथ भगवान महावीर के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कि इस भवन के जीर्णोद्धार हेतु सीएसआर मद से तत्काल स्वीकृति दिलाई गई और आज भव्य भवन आप सभी समाज के स्नेहिल बंधुओं को समर्पित करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में कोरबा नगर का तेज गति से



विकास हो रहा है। विशेषकर सभी समाज के मांग अनुरूप सामाजिक विकास आज नए आयाम की ओर बढ़ रहा है। अब तक 56 सामाजिक विकास कार्यों को स्वीकृति दिलाई कर प्रारम्भ कारका रतेजी से पूर्ण कराए जा रहे हैं। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष डॉ प्रदीप नैन, जिला चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष

श्री योगेश जैन, जिला उपाध्यक्ष श्री प्रफुल्ल तिवारी, मंडल अध्यक्ष श्री राजेश राठौर, एलडरमैन श्री ईश्वर साहू, श्री सुधीर जैन, डॉ प्रिंस जैन, प्रकाश जैन, सोनू जैन,मुकुल जैन,अशोक जैन, प्रमोद जैन, अशीष जैन, श्री पारस जैन, मनीष जैन सहित अधिक संख्या में समाज के वरिष्ठ जन उपस्थित रहे।

## प्रकृति के साथ संतुलन और जल संरक्षण भविष्य की सुरक्षा के लिए आवश्यक - राज्यपाल डेका

**राज्यपाल ने पर्यावरण संरक्षण एवं आपदा प्रबंधन' अभियान का किया शुभारंभ**

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।** राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि मनुष्य, पेड़-पौधों और पशु-पक्षियों के बीच संतुलन बनाए रखना पर्यावरण संरक्षण के लिए अत्यंत आवश्यक है। जलवायु परिवर्तन, बढ़ता तापमान, जल संकट और प्रदूषण आज गंभीर चुनौती बनते जा रहे हैं। आने वाले समय में छत्तीसगढ़ को भी जल संकट का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए हमें अभी से जल संरक्षण के लिए प्रभावी प्रयास करने होंगे। पर्यावरण संरक्षण और आपदा प्रबंधन के प्रति जन-जागरूकता का देगा संदेश राज्यपाल श्री डेका ने आज प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं आपदा प्रबंधन' के लिए आयोजित राष्ट्रीय अभियान का शुभारंभ करते हुए उक्त विचार व्यक्त किए। उन्होंने अभियान में शामिल ब्रह्माकुमारी बहनों एवं भाइयों को झंडी दिखाकर खाना किया।



यह अभियान 26 जुलाई से 9 अगस्त 2026 तक रायपुर से जबलपुर की यात्रा करते हुए छत्तीसगढ़ एवं मध्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण और आपदा प्रबंधन के प्रति जन-जागरूकता का संदेश देगा। वृक्षारोपण, जल संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त

जीवनशैली और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। घने वन, जीवनदायिनी नदियां और समृद्ध जैव-विविधता हमारी अमूल्य धरोहर श्री डेका ने कहा कि प्रकृति हमारी मां के समान है और उसका संरक्षण करना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के निवासी सोभाग्यशाली हैं। यह प्राकृतिक संपदा से समृद्ध प्रदेश है। यहां के घने वन, जीवनदायिनी नदियां और समृद्ध जैव-विविधता हमारी अमूल्य धरोहर हैं। प्रदेश की जनजातीय संस्कृतियों की सदियों से प्रकृति के साथ सामंजस्य और सह-अस्तित्व का संदेश देती आई हैं। बदलते समय में जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय चुनौतियों से छत्तीसगढ़ भी अछूता नहीं है। इसलिए यहां की हरियाली और प्राकृतिक जल स्रोतों को संरक्षित करना आवश्यक है। पर्यावरण प्रदूषण कम करने और इको फ्रेंडली तथा नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहन राज्यपाल ने जल संरक्षण पर विशेष जोर देते हुए कहा कि पानी की उपलब्धता भविष्य की एक बड़ी चुनौती है। जल का विवेकपूर्ण उपयोग

करने के साथ वर्षा जल संचयन और परंपरागत जल स्रोतों के संरक्षण को प्राथमिकता देनी होगी। पर्यावरण प्रदूषण कम करने के लिए इको फ्रेंडली व्यवस्थाओं तथा नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को भी बढ़ावा देना होगा। सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग कम करना राज्यपाल ने माइक्रोप्लास्टिक के बढ़ते दुष्प्रभावों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बन रहा है। माइक्रोप्लास्टिक का प्रभाव मां के दूध तक पहुंच सकता है। प्रदूषण को रोकना भविष्य की पीढ़ियों के स्वास्थ्य की दृष्टि से चिंताजनक है। उन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग कम करने और पर्यावरण संरक्षण के अभियान से समाज एवं समुदाय के प्रत्येक वर्ग को जोड़ने पर जोर दिया। आपदा प्रबंधन से उनके प्रभाव को काफी हद तक कम करना राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं को पूरी तरह रोक पाना संभव नहीं है, लेकिन बेहतर तैयारी, जागरूकता और प्रभावी आपदा प्रबंधन से उनके प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है।